

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र



राष्ट्रीय दुग्ध दिवस पर सम्मान समारोह का आयोजन पेज: 3

रिश्ते पर्सनल होते हैं, पलिक एंटरटेनमेंट नहीं पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 233 | शुक्रवार 27 नवंबर 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

भारत में पाकिस्तानी वेब सीरीज पर बैन, नेटफ्लिक्स को केंद्र की सख्त चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स को पाकिस्तान में निर्मित किसी भी सामग्री की भारत में स्ट्रीमिंग न करने का सख्त निर्देश दिया है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय का यह कदम पाकिस्तान स्थित वेब सीरीज जो बचे हैं संग समेट लो की भारत में संभावित रिलीज को लेकर उठे विवाद के बाद आया है। केंद्रीय मंत्रालय ने नेटफ्लिक्स से कहा है कि वह अपने पहले जारी किए गए आदेशों और स्वयं के वादों का सम्मान करे, जिसके तहत भारत में पाकिस्तानी कंटेंट की उपलब्धता प्रतिबंधित है। केंद्रीय मंत्रालय ने नेटफ्लिक्स को पिछले साल जून में किए गए उसके अपने वादे की याद दिलाई है। उस समय स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने मंत्रालय को यह सुनिश्चित किया था कि भारत में उसके सब्सक्राइबर्स के लिए पाकिस्तान से जुड़ी कोई भी फिल्म या वेब सीरीज उपलब्ध नहीं होगी। नेटफ्लिक्स ने तब स्पष्ट रूप से बताया था कि उसकी लाइब्रेरी में भारत के लिए कोई भी पाकिस्तानी कंटेंट मौजूद नहीं है, और मंत्रालय ने अब उसी रुख पर कायम रहने को कहा है। यह ताजा निर्देश कई शिकायतों और ज्ञापनों के बाद आया है, जिसमें जो बचे हैं संग समेट लो नामक पाकिस्तानी वेब सीरीज की भारत में संभावित रिलीज को लेकर कड़ी आपत्ति जाहिर की गई थी। मंत्रालय ने नेटफ्लिक्स से कहा है कि वह पहले स्पष्ट किए गए अपने रुख पर कायम रहे और यह सुनिश्चित करे कि पाकिस्तान में बनी कोई भी सामग्री भारतीय दर्शकों के लिए स्ट्रीम न हो सके।

बिहार में स्वास्थ्य विभाग का कड़ा एक्शन : 11 डॉक्टर बर्खास्त

पटना, एजेंसी। बिहार के स्वास्थ्य विभाग ने लंबे समय से ड्यूटी से नदारद 11 डॉक्टरों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई कर उन्हें सरकारी सेवा से बर्खास्त किया है। कैबिनेट की मंजूरी मिलने के बाद स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने फैसले की जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही और अनुशासनहीनता बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री कुमार ने कहा कि डॉक्टर का पेशा सिर्फ नौकरी नहीं, बल्कि मानव सेवा का एक पवित्र संकल्प है। इसतरह के लंबे समय तक अपने कर्तव्यों से विमुख रहना एक गंभीर मामला है। उन्होंने प्रदेश के सभी डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों से पूरी ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ अपनी ड्यूटी निभाने की अपील की। इस कार्रवाई के जरिए बिहार सरकार ने यह साफ संदेश दिया है कि आम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। बिहार सरकार का मानना है कि इसके लिए स्वास्थ्य विभाग में जवाबदेही और अनुशासन अत्यंत आवश्यक है। इस कदम से स्पष्ट है कि सरकारी अस्पतालों में ड्यूटी के प्रति लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ भविष्य में भी सख्त से सख्त कदम उठाए जाएंगे।

तिरुपति बालाजी को अज्ञात भक्त ने दिया 121 किलो सोने का महादान

तिरुपति, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के तिरुपति स्थित भगवान वेंकटेश्वर मंदिर फिर चर्चा का विषय बन गया है। एक अज्ञात भक्त ने मंदिर को 121 किलोग्राम सोने के आभूषण दान किए हैं, जिसकी अनुमानित कीमत 160 करोड़ रुपये है। यह मंदिर के इतिहास में किसी एक श्रद्धालु द्वारा दिया गया अब तक का सबसे बड़ा व्यक्तिगत दान माना जा रहा है, जिसने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ट्रस्ट द्वारा इन अद्भुत आभूषणों को रंगनायकुल मंडपम में प्रदर्शित किया गया। जानकारी के अनुसार, इन आभूषणों को मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की मौजूदगी में टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी (ईओ) को सौंपा गया। इन 121 किलोग्राम सोने में कुल 45 आभूषण शामिल हैं, जिन्हें नौ अलग-अलग सेटों में व्यवस्थित किया गया है। ये आभूषण विशेष रूप से भगवान श्री वेंकटेश्वर को सिर से पैर तक सजाने के लिए तैयार किए गए हैं। आंध सरकार और टीटीडी से जुड़े सूत्रों ने बताया कि दानकर्ता ने तिरुमला तिरुपति देवस्थानम के साथ सभी आवश्यक विचार-विमर्श पूरे कर लिए थे और मंदिर परिसर में ही प्रशासन को यह बहुमूल्य चढ़ावा सौंपा गया। इस असाधारण दान ने देशभर में भक्ति और उदारता की नई मिसाल कायम की है।

मोगा रैली: केजरीवाल ने मान के नाम पर मांगे वोट, कांग्रेस-बीजेपी पर साधा निशाना

मोगा, एजेंसी। पंजाब में विधानसभा चुनाव से पहले, आम आदमी पार्टी (आप) ने मोगा में अपने स्थापना दिवस पर खुशहाल पंजाब-महारैली का आयोजन किया। इस दौरान आप संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री भगवंत मान के नाम पर वोट मांगे और कांग्रेस व भाजपा दोनों पर तीखा हमला बोला। मुख्यमंत्री मान ने अकाली दल और भाजपा के गठबंधन को कृषि सुधार कानूनों को वापस लाने की शर्त पर हुआ बताया।
केजरीवाल ने पंजाब के मतदाताओं को आगाह किया कि यदि कांग्रेस सत्ता में आती है, तब मुफ्त बिजली और महिलाओं को मिलने वाले एक हजार रुपये प्रति माह जैसी योजनाएं बंद हो जाएगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इन्हें फ्री की रेवड़ी कहने का जिक्र कर कहा कि दिल्ली में भी केंद्र ने उनकी सरकारी स्कीमें बंद की थीं। उन्होंने लोगों से मान को दोबारा मुख्यमंत्री बनाने की अपील की ताकि ये योजनाएं जारी रह सकें। एक हजार रुपये की योजना में देरी पर उन्होंने पिछली सरकारों पर खजाना खाली करने का आरोप लगाया। रैली के दौरान, केजरीवाल ने सीएम मान के साथ मिलकर नए लाभार्थियों को राशन कार्ड भी वितरित किए, जिसके तहत दस लाख नए लोगों को कार्ड दिए जा रहे हैं।
सीएम मान ने अपने संबोधन में कांग्रेस की आंतरिक कलह पर निशाना साधकर कहा कि वहां 6-7 मुख्यमंत्री उम्मीदवार हैं और उनमें रोज लड़ाई होती है। उन्होंने परगट सिंह के गोल करने के उदाहरण से कांग्रेस की आपसी खींचतान को उजागर किया। केजरीवाल ने अपनी सरकार की



उपलब्धियां गिनाकर दावा किया कि उन्होंने 77 हजार युवाओं को नौकरियां दी हैं और एक भी व्यक्ति यह नहीं कह सकता कि उसने नौकरी के लिए पैसे दिए हैं। उन्होंने पिछली सरकारों में रिश्वतखोरी के तौर-तरीकों, जैसे अटैची तौलकर पैसे लेने का जिक्र किया।

आप के स्थापना दिवस पर केजरीवाल का संकल्प: न पार्टी डरेगी और न ही तय लक्ष्यों से पीछे हटेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को पार्टी के स्थापना दिवस पर कार्यकर्ताओं और समर्थकों को बधाई देकर देश के लिए बड़े संकल्प का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि पार्टी न डरेगी और न ही अपने लक्ष्यों से पीछे हटेगी, क्योंकि देश के लिए अभी बहुत काम करना बाकी है। केजरीवाल ने सोशल मीडिया पोस्ट में पार्टी के अब तक के सफर पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कैसे 2012 में पार्टी की स्थापना के समय कई सवाल उठे थे, कि क्या यह कुछ कर पाएगी, कितने दिन टिकेगी, और इन लोगों को राजनीति की क्या समझ है। हालांकि, केजरीवाल ने गर्व से कहा कि पार्टी न केवल टिकी रही, बल्कि उसने पूरे देश के लोगों का भरोसा और समर्थन भी जीता। उन्होंने पार्टी की सफलताओं का जिक्र कर कहा कि आप ने दिल्ली और पंजाब जैसे राज्यों में अपनी सरकारें बनाई हैं। इसके अलावा, जम्मू-कश्मीर, गोवा और गुजरात सहित अन्य कई राज्यों में भी पार्टी को लोगों का विश्वास और प्यार मिला है। केजरीवाल ने जोर दिया कि आप ने काम की राजनीति पर ध्यान केंद्रित किया, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मूलभूत मुद्दों पर बात की, और यह राजनीति से प्रभावित नहीं हुई बल्कि उसने खुद राजनीति को बदल दिया। अपने संदेश में, उन्होंने भविष्य की योजनाओं और पार्टी के अटल निश्चय को दोहराया। केजरीवाल ने लिखा, अभी बहुत कुछ करना है। देश के लिए बहुत काम करना है। उन्होंने आम आदमी पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं और समर्थकों को स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ भी दीं। गौरतलब है कि आप की स्थापना 26 नवंबर, 2012 को अरविंद केजरीवाल द्वारा की गई थी। यह पार्टी 2011 में यूपीए सरकार के दौरान सामने आए भ्रष्टाचार के मामलों के खिलाफ हुए इंडिया अगेंस्ट करप्शन आंदोलन से निकली थी। केजरीवाल ने पार्टी शुरू करने के लिए 26 नवंबर की तारीख इसलिए चुनी, क्योंकि इसी दिन 1949 में भारत के संविधान को अपनाया गया था।

माकपा नेता के भड़काऊ भाषण की होगी पुलिस जांच: गृह मंत्री

पय्यान्नूर, एजेंसी। केरलम के गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने घोषणा की कि पुलिस मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेता और पूर्व विधायक टी.आई. मधुसूदनन के भाषण की गहन जांच करेगी। मधुसूदनन ने सोशल मीडिया पर पार्टी की आलोचना करने वालों को खुलेआम चेतावनी दी थी कि पार्टी उनसे हिसाब चुकता करेगी और इसके गंभीर परिणाम भुगतना होगा। गृह मंत्री चेन्निथला ने कहा कि गृह विभाग इन टिप्पणियों को अत्यंत गंभीरता से ले रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी निर्वाचित जनप्रतिनिधि रह चुके व्यक्ति के लिए इस तरह के धमकी भरे भाषण देना अनुचित है। उन्होंने चेतावनी दी कि राज्य सरकार ऐसी हरकतों को बर्दाश्त नहीं करेगी और न ही पुलिस ऐसा होने देगी। पुलिस जांच के लिए भाषण का पूरा पाठ जुटा रही है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री के.मुरलीधरन ने भी मधुसूदनन के बयानों पर कड़ी नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि केरलम की मौजूदा सरकार हिंसा की धमकी देने वाले भाषणों पर चुप नहीं बैठेगी और ऐसी हरकतों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुरलीधरन ने चेतावनी दी कि जेन जी के दौर में इस तरह के भाषणों से कोई फायदा नहीं होगा, बल्कि यह वामपंथी पार्टी के पतन का कारण बन सकते है। स्वास्थ्य मंत्री मुरलीधरन ने माकपा नेताओं द्वारा हाल ही में आए सी.वी.धनराज हत्याकांड के फैसले पर सवाल उठाने और न्यायाधीशों पर टिप्पणी करने को अस्वीकार्य बताया। उन्होंने अदालतों के सम्मान पर जोर देकर अरियिल शुकूर हत्याकांड का उदाहरण दिया, जहां कांग्रेस और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) भी फैसले से असंतुष्ट थे, लेकिन उन्होंने न्यायाधीशों के खिलाफ कोई प्रतिकूल टिप्पणी नहीं की। उन्होंने स्वीकार किया कि दोनों ही मामलों में अभियोजन पक्ष की ओर से चूक हुई है। मधुसूदनन ने पय्यान्नूर में एक डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई) कार्यक्रम में ये धमकी भरे बयान दिए थे, जो धनराज हत्याकांड के फैसले के बाद आयोजित किया गया था। आरोप है कि उन्होंने सोशल मीडिया पर पार्टी की आलोचना करने वालों को चेताया था कि पार्टी उनसे हिसाब चुकता करेगी और पीछे नहीं हटेगी। उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि पार्टी का अपमान करने वालों को शायद पहले ही उनके किए की सजा मिल चुकी है और जो लोग लड़ाई को सड़कों पर ले जाएंगे, उन्हें इसके गंभीर परिणाम भुगतना होगा। गृहमंत्री चेन्निथला ने कहा कि नेताओं और पूर्व विधायकों को अशांति भड़काने के बजाय शांति बनाए रखने तथा हत्याओं और हिंसा को रोकने के लिए काम करना चाहिए।

मंच से खरगे की इमरान मसूद को नसीहत... बातों से ज्यादा काम पर ध्यान केंद्रित करें

यूपी में गठबंधन की सरकार लानी है और मोदी-योगी को हराना

लखनऊ , एजेंसी । कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने लखनऊ में पार्टी नेताओं को गठबंधन के खिलाफ बयानबाजी से बचने की नसीहत दी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि गठबंधन की सरकार लानी है और मोदी-योगी को हराना है, क्योंकि अंदरूनी झगड़े जीत को मुश्किल बनाते हैं।
कांग्रेस नेता खड़गे ने इस दौरान पार्टी नेता और सांसद इमरान मसूद के जोश की सराहना की, लेकिन साथ ही उन्हें गठबंधन धर्म निभाने और केवल बातों से ज्यादा काम पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सभी को मिलकर काम करना होगा तभी पार्टी आगे बढ़ेगी। लोकसभा चुनाव का जिक्र कर कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने दावा किया कि अजय राय ने प्रधानमंत्री मोदी से टक्कर ली थी और वह थोड़े से चूक गए,



नहीं तब मौजूदा प्रधानमंत्री गुजरात जाकर बैठते।
कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगेसंविधान बचाओ मार्च में शामिल होने लखनऊ पहुंचे थे, हालांकि लखनऊ प्रशासन ने मार्च की अनुमति नहीं दी थी। खड़गे के जाने के बाद कार्यकर्ताओं ने मार्च निकाला, लेकिन पार्टी कार्यालय से करीब 150 मीटर आगे बढ़ने पर पुलिस ने उन्हें रोक दिया। पुलिस ने पहले से ही थ्री-लेयर बैरिकेडिंग लगा रखी थी। लगभग 40 मिनट तक कांग्रेसियों ने आगे बढ़ने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो पाए। इसके बाद पुलिस ने मार्च में शामिल प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा, कार्यकारी अध्यक्ष इमरान मसूद सहित कई वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। उन्हें इको गार्डन ले जाकर बाद में छोड़ दिया गया।
इस घटना पर प्रतिक्रिया देकर कांग्रेस नेता अजय राय ने योगी सरकार पर तानाशाही का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि संविधान दिवस के दिन सरकार संविधान को कुचलने का काम कर रही है, जो दर्शाता है कि ये लोग संविधान को मानने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का हर कार्यकर्ता संविधान बचाने के लिए सड़क पर उतरा है। कांग्रेस नेता राय ने ओवैसी और चंद्रशेखर की रैलियों को भारतीय जनता पार्टी प्रायोजित बताया।

सौरव दास की विदेश यात्रा पर रोक: दिल्ली हाईकोर्ट में बोला केंद्र, उनके खिलाफ एलओसी जारी

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट में गुरुवार 26 नवबंर को सीजेपी के सह-संयोजक सौरव दास की याचिका पर सुनवाई हुई, जिन्हें ब्रिटेन जाने से रोक दिया गया था। केंद्र ने दिल्ली की अदालत को बताया कि मुंबई पुलिस ने 23 नवंबर को उनके खिलाफ लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया था, इस कारण उन्हें विदेश जाने से रोका गया। सौरव दास को 24 नवंबर को ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में कार्यक्रम में शामिल होने के लिए ब्रिटेन जाना था, जहां उन्हें कॉकरोच मूवमेंट विषय पर बोलना था। अपनी याचिका में दास ने आरोप लगाया है कि 23 नवंबर की रात लंदन जाने वाली फ्लाइट में सवार होने से ठीक पहले उन्हें दिल्ली एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन काउंटर पर रोक दिया गया था। इस रोक को उन्होंने दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी है।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला, अब पैकेटबंद खाद्य पदार्थों पर चेतावनी लेबल लगाना जरुरी

बेंच ने कहा- नमक, कुल शुगर और सैचुरेटेड फैट की सीमा नए सिरे से तय की जाए

नई दिल्ली, एजेंसी। पैकेटबंद खाद्य पदार्थों में नमक, चीनी और सैचुरेटेड फैट की ज्यादा मात्रा को लेकर अब ग्राहकों को पैकेट पर ही चेतावनी दी जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) से चेतावनी लेबल के नियम तैयार करने को कहा है। कोर्ट ने साफ किया है कि खाद्य पदार्थों में मौजूद कुल शुगर और सैचुरेटेड फैट को चेतावनी के लिए आधार बनाया जाए, न कि सिर्फ अलग से मिलाई गई चीनी और फैट को। जस्टिस जेबी पारडीवाला और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने कहा कि नमक, कुल शुगर और सैचुरेटेड फैट की अधिकतम सीमा नए सिरे से तय की जाए। चेतावनी के लिए तय सीमा न तो इतनी कम हो कि हर खाद्य पदार्थ के पैकेट पर चेतावनी छपने लगे और न ही इतनी ज्यादा कि स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह मात्रा भी इसके दायरे से बाहर रह जाए।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट ने निर्देश दिया कि पैकेट के मुख्य हिस्से पर तीन अलग-अलग षट्कोण (हेक्सागोन) बनाए जाएं। इनमें क्रमशः हाई फैट, हाई शुगर और हाई साल्ट लिखा हो। हर हेक्सागोन पैकेट के मुख्य डिस्प्ले क्षेत्र का कम से कम 4 से 5 फीसदी हिस्सा घेरे। इसके भीतर लिखे शब्दों का फॉन्ट इतना बड़ा और स्पष्ट हो कि ग्राहक आसानी से पढ़ सकें। बेंच ने बच्चों और आम लोगों को पैकेटबंद खाद्य पदार्थों में मौजूद पोषक तत्वों और उनके स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों के प्रति जागरूक करने की जरूरत पर भी जोर दिया।
सुप्रीम कोर्ट ने एफएसएसएआई को इन निर्देशों के आधार पर ड्राफ्ट नियम तैयार करने और संबंधित पक्षों से सुझाव और आपत्तियां आमंत्रित करने को कहा है, साथ ही नियमों को जल्द से जल्द अंतिम रूप देकर अधिसूचित करने का भी निर्देश दिया। मामले में 10 सप्ताह बाद अगली सुनवाई होगी। उस



दिन कोर्ट इस बात की जानकारी लेगा कि ड्राफ्ट नियम तैयार हो गए हैं या नहीं।
बता दें यह मामला फ्रंट ऑफ पैकेट वार्निंग लेबल लागू करने से जुड़ा है। एक संस्था ने याचिका दाखिल कर पैकेटबंद खाद्य पदार्थों में नमक, चीनी और फैट की अधिक मात्रा के बारे में ग्राहकों को स्पष्ट चेतावनी देने की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस व्यवस्था को लागू करने में ढिलाई पर पहले भी एफएसएसएआई को कड़ी फटकार लगाई थी।

संविधान पर प्रहार, भारत अब देगा मुंहतोड़ जवाब : देवेंद्र फडणवीस

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 26/11 मुंबई आतंकी हमलों को संविधान पर प्रहार बताकर कहा कि भारत अब अपने सैनिकों या नागरिकों पर हमलों को बर्दाश्त नहीं करेगा, बल्कि जिम्मेदार लोगों को मुंहतोड़ जवाब देगा। गेटवे ऑफ इंडिया पर आयोजित कार्यक्रम में 2008 के हमलों में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देकर सीएम फडणवीस ने कहा कि आतंकवादियों ने जानबूझकर इसरतह के स्थानों को निशाना बनाया था जहां विदेशी नागरिक और राजनयिक समुदाय के सदस्य अक्सर आते-जाते थे, उनका मकसद अधिक से अधिक लोगों को मारना और दुनिया को यह संदेश देना था कि भारत पर हमला किया जा सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह हमला केवल मुंबई पर ही नहीं, बल्कि भारत के संविधान पर भी था।
मुख्यमंत्री ने आतंकवादियों से मुकाबला करने वाले पुलिसकर्मियों की बहादुरी को यादकर विशेष रूप से तुकाराम ओंबले को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने कई गोलियां लगने के बावजूद पाकिस्तानी आतंकवादी अजमल कसाब को



जीवित पकड़ा था। उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों हेमंत करकरे, अशोक कामटे, विजय सालस्कर और राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के मेजर संदीप उन्नीकृष्णन सहित जान गंवाने वाले सभी शहीदों को नमन किया। सीएम फडणवीस ने बताया कि 26 नवंबर 2008 को पाकिस्तान से समुद्र के रास्ते आए लश्कर-ए-तैयबा के 10 भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों के इन हमलों में विदेशियों सहित 166 लोगों की मौत हुई थी। कसाब की गिरफ्तारी से अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने हमलों में पाकिस्तान की संलिप्तता उजागर हुई और यह साबित हुआ कि यह हमला पाकिस्तान प्रायोजित था।
सीएम फडणवीस ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नये भारत ने आतंकवादी हमलों का जवाब देने का साहस दिखाया है। उन्होंने 2016 के उरी और पहलगाम हमलों के जवाब में भारत की कार्रवाई का जिक्र कर कहा कि भारत अपने सैनिकों या नागरिकों पर किसी भी हमले को बर्दाश्त नहीं करेगा और पाकिस्तान में घुसकर इसतरह के हमलों के लिए जिम्मेदार लोगों को करारा जवाब देगा। उन्होंने संतोष व्यक्त किया कि बीते 12 वर्षों में मुंबई और देश में आतंकी घटनाओं को पूरी तरह से समाप्त किया गया है, साथ ही इसतरह के हमलों को अंजाम देने के प्रयासों को विफल किया गया है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने मुंबई की अदम्य भावना को सलाम कर आतंकवाद के खिलाफ एकजुट रहने के संकल्प को दोहराया और पुलिसकर्मियों के कल्याण के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की।

शरद पवार फिर अस्पताल में भर्ती, बाबा को डिहाइड्रेशन हुआ

- बेटी सुप्रिया सुले ने दी जानकारी

मुंबई, एजेंसी । एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार की तबीयत गुरुवार को फिर बिगड़ गई है, जिसके चलते उन्हें मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती किया गया है। इसकी जानकारी उनकी बेटी और पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने दी। 85 वर्षीय पवार की तबीयत खराब होने की खबर मिलते ही सुप्रिया अपनी अहम बैठक छोड़कर अस्पताल के लिए रवाना हो गईं। सुप्रिया सुले ने बताया कि बाबा को डिहाइड्रेशन हुआ है। उन्होंने लिखा कि पवार को अब आराम करने और कम यात्रा करने की जरुरत है, लेकिन वे अपने काम से प्यार करते हैं और सुनते नहीं हैं। सुप्रिया ने अपने शुभचिंतकों का आभार जाहिर किया। सुप्रिया ने गुरुवार को ही एनसीपी (एसपी) नेताओं की महत्वपूर्ण बैठक बुलाई थी, जिसमें पार्टी में चल रहे विवाद पर खास चर्चा होनी थी।

मुजफ्फरनगर दंगों के लिए अखिलेश-आजम जिम्मेदार: संगीत सोम

भाजपा 300 से अधिक सीटों के साथ सरकार बनाएगी

शामिली, एजेंसी । भाजपा के पूर्व विधायक संगीत सोम ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और पूर्व मंत्री आजम खान पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने मुजफ्फरनगर दंगों के लिए तत्कालीन अखिलेश सरकार और आजम को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराते हुए गंभीर आरोप लगाए।
पूर्व विधायक सोम ने आरोप लगाया कि दंगों के दौरान अखिलेश सैफई में कार्यक्रम देख रहे थे, जबकि आजम थानों से आरोपितों को छुड़वाने में लगे थे। उन्होंने कहा कि इस हिंसा में निर्दोष लोगों की जान गई और तत्कालीन सरकार ने मरने वालों के वास्तविक आंकड़े छिपाए, जिसका खामियाजा हिंदू परिवारों को भुगतना पड़ा।
आजम पर जौहर यूनिवर्सिटी के निर्माण के लिए हजारों करोड़ रुपये के स्रोत पर सवाल उठाकर सोम ने आतंकवाद का अड्डा बनाने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने अखिलेश और समाजवादी पार्टी पर माफिया के साथ होने और तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। पूर्व विधायक सोम ने कहा कि उन्हें इसतरह के मुस्लिम पसंद हैं



जो भारत में रहकर वंदेमातरम और जय हिंद बोलते हैं, देशविरोधी गतिविधियों का समर्थन करने वालों को भारत में जगह नहीं मिलनी चाहिए।
अखिलेश पर ब्राह्मणों, जाटों और राजपूत समाज के खिलाफ टिप्पणी करने का आरोप लगाकर सोम ने कहा कि वोट बैंक टोपी पहनने से नहीं बनता। आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत का दावा कर उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता मुजफ्फरनगर जैसे दंगे फिर नहीं देखना चाहती और अखिलेश सरकार की वापसी से ऐसी आशंकाएं बढ़ेंगी। उन्होंने दावा किया कि भाजपा 300 से अधिक सीटों के साथ सरकार बनाएगी।

संपादकीय

सूर्य जैसा वैभव

यह कल्पना से परे है कि कोई पंद्रह वर्षीय किशोर क्रिकेट के खेल में महज 52 गेंदों में दोहरा शतक बना दे। इतना ही नहीं, 28 बॉल में शतक भी जड़ दे। साथ ही सबसे तेज 150 रन महज 40 गेंदों में बना डाले। एक पारी में 28 छक्कों का अविश्वसनीय कारनामा। यानी 204 रनों की पारी में 168 रन सिर्फ छक्कों से बटोर लिए, जो अपने आप में विश्व रिकॉर्ड हैं। ये कारनामा मंगलवार को वैभव सूर्यवंशी ने लिस्ट ए क्रिकेट के दोहा में हुए एक मैच में कर दिखाया। कहा जा रहा है कि इस टीनएजर ने क्रिकेट को वीडियो गेम बना डाला। आज दुनिया के क्रिकेट जगत में सूर्यवंशी के खेल-वैभव की चर्चा हो रही है। क्रिकेट के दिग्गज उनकी तारीफ के पुल बांध रहे हैं। साथ ही सवाल भी पूछ रहे हैं कि उन्हें टी-20 व वन डे की भारतीय टीम में बतौर ओपनर कब जगह मिल पायेगी? उल्लेखनीय है कि वे दस इंटरनेशनल टी-20 मैचों में 185 के स्ट्राइक रेट से 295 रन बना चुके हैं। इतना ही नहीं ,आईपीएल की अब तक खेली 23 पारियों में उन्होंने 228 के स्ट्राइक रेट से 1028 रन बनाये हैं। वहीं आईपीएल सीजन में भी उन्होंने क्रिस गेल जैसे दिग्गज क्रिकेटर द्वारा एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने का रिकॉर्ड भी तोड़ा था। इस किशोरवय सनसनी ने आईपीएल सीजन 2026 में 72 छक्के जड़े थे। यही वजह है कि अक्सर उनके आक्रामक खेल और छक्के मारने के कौशल की चर्चा होती है। दुनिया के अन्य देशों में उनके इस चमत्कारी हुनर की चर्चा खूब हो रही है। यहां तक कि मंगलवार को पाकिस्तान द्वारा दोहा में अपना ग्रुप का मैच जीतने के बावजूद वहां सिर्फ वैभव के आतिशी खेल की चर्चा होती रही। निस्संदेह, छोटी उम्र में वैभव की कामयाबी अप्रत्याशित है। वे मौलिक खेल प्रतिभा के धनी हैं। अभी उनका लंबा क्रिकेट जीवन होना है। यही वजह है कि वैभव की प्रतिभा और फुल फॉर्म में होने की वजह से भारतीय टीम में उनकी जगह सुनिश्चित करने की मांग की जा रही है। जाहिर है इस समय दुनिया के दिग्गज गेंदबाज उनके खेल को पढ़ रहे होंगे। ऐसे में अंतर्राष्ट्रीय पिचों व गेंदबाजों को उन्हें समझना होगा। जिसके लिये वैभव को अपने खेल कौशल को और समृद्ध करने की जरूरत होगी। निस्संदेह, अविश्वसनीय कामयाबी वाले वैभव के पास भविष्य में तमाम मौके आने वाले हैं। बीसीसीआई को उनको लेकर संतुलित नीति अपनाने की जरूरत होगी। कुछ लोगों का मानना है कि मौलिक व आक्रामक खेल वाले खिलाड़ी विरले ही पैदा होते हैं, लेकिन समय पर बड़े अवसर न मिलने का नकारात्मक प्रभाव उनके खेल में पड़ सकता है। क्रिकेट समीक्षक सोलह साल की उम्र में सचिन तेंदुलकर को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पाकिस्तान के खिलाफ 1989 में मौका देने और उसके बाद उनकी अप्रत्याशित कामयाबी का जिक्र भी करते हैं। निस्संदेह, ऐसे में विरले ही सामने आने वाली विशिष्ट प्रतिभाओं को मानसिक संबल देने की जरूरत होगी। वैभव जैसे रिकॉर्ड पर रिकॉर्ड बनाते हुए बेतहरीन खेल रहे हैं तो उसी अनुपात में उन्हें अच्छे अवसर भी मिलने चाहिए। आईपीएल सीजन 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाकर ऑरेंज कैप हासिल करना उनकी प्रतिभा को ही दर्शाता है।

चिंतन-मनन

भावना भी समझें

एक आदमी बस में रोजाना ही यात्रा करता था। वह बस में केले खाता और छिलके को खिड़की से फेंक देता। एक दिन एक भाई ने कहा, भाई! सड़क पर छिलके डालना उचित नहीं है। दूसरे फिसलकर गिर पड़ते हैं। छिलकों को एक ओर डालना चाहिए। उसने कहा, अच्छी बात है। दूसरे दिन की बात है। पूर्व दिन वाले दोनों यात्री एक ही बस में बैठे हुए थे। एक ने केले छीले, खाए और छिलके डाल दिए। सड़क पर नहीं, अन्यत्र कहीं। साथी ने कहा, धन्यवाद! कल जो मैंने कहा, उसे तुमने मान लिया। आज छिलके सड़क पर नहीं फेंके। उसने कहा, सड़क पर तो नहीं फेंके, पर मेरे पास जो दूसरा यात्री बैठा था, उसकी जेब में चुपके से छिलके डाल दिए। सड़क पर उन्हें डालने की नौबत ही नहीं आई।

हर आदमी ऐसे ही समस्या को दूसरों की जेब में डालता जाता है और यह मान लेता है कि समस्या का समाधान हो गया। समस्या सुलझती नहीं। एक समस्या सुलझती है, तो दूसरी उलझ जाती है। समस्या के समाधान का सही मार्ग है-भावनाओं पर ध्यान देना। जो भी काम किया जाता है, उसको करने से पूर्व यह सोचना होगा कि मैं यह काम शरीर की सुविधा के लिए कर रहा हूं, पर इससे कहीं मन की समस्या उलझ तो नहीं रही है? कहीं भावना की समस्या गहरी तो नहीं होती जा रही है? हम तीनों समस्याओं पर एक साथ ध्यान दें। जब तक शरीर की समस्या, मन की समस्या और भावना की समस्या पर समवेत रूप में ध्यान नहीं देंगे, तब तक समाधान नहीं मिलेगा।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

यूपी 2027 विधानसभा चुनाव: धर्म और अधर्म का युद्ध या संविधान और सत्ता की लड़ाई

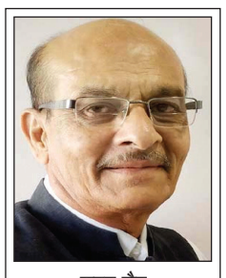

सनत जैन

उत्तर प्रदेश में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव की राजनीतिक बिसात अभी से बिछने लगी है। जिस तरह के राजनीतिक और सामाजिक हालात बन रहे हैं, उन्हें देखकर महाभारत के युद्ध की याद आना स्वाभाविक है। महाभारत में कौरवों और पांडवों के बीच सत्ता, अधिकार और धर्म की लड़ाई थी। युद्ध जीतने के लिए चक्रव्यूह रचे गए, अभिमन्यु को घेरकर मारा गया और धर्मराज युधिष्ठिर के मुख से निकले आधे-अधूरे सत्य ने युद्ध की दिशा को प्रभावित किया। आज उत्तर प्रदेश की राजनीति में भी कुछ ऐसे ही दांव-पेच दिखाई देने लगे हैं। हालांकि इस तुलना को राजनीतिक घटनाओं की वास्तविक स्थिति को देखते हुए तुलना के रूप में समझना चाहिए। धर्म और दूसरे को अधर्म का प्रमाण नहीं माना जा सकता है। वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में विपक्ष मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठा रहा है। उसका आरोप है, लोकतांत्रिक प्रक्रिया का चुनाव आयोग पालन नहीं कर रहा है। चुनाव आयोग भाजपा के पक्ष में काम कर रहा है, जिससे चुनाव की निष्पक्षता प्रभावित हो रही है। दूसरी ओर सत्ता पक्ष विपक्ष की एकजुटता को चुनौती देने के लिए राजनीतिक रणनीतियां अपना रहा है। सवाल यह है कि क्या चुनाव जनता के वास्तविक मुद्दों पर लड़ा जाएगा या एक-दूसरे को राजनीतिक रूप से कमजोर करने के लिए नए चक्रव्यूह एवं साजिश रची जाएंगी? उत्तर प्रदेश में मुस्लिम और दलित मतदाताओं का समर्थन हासिल करने के लिए समाजवादी पार्टी ने पीडीए बनाया है। समाजवादी पार्टी की रणनीति को चुनौती देने के लिए चंद्रशेखर आजाद और असदुद्दीन ओवैसी की राजनीतिक सक्रियता उत्तर प्रदेश के चुनाव में नए समीकरण बना सकती है। मायावती की चुनावी सक्रियता भी इन समीकरणों को प्रभावित कर सकती है। इन दलों और नेताओं को भाजपा की बी टीम बताने जैसे आरोप भी राजनीतिक बहस का हिस्सा हैं। ऐसे आरोपों का फैसला अंततः मतदाता अपने विवेक से करेगा। विपक्षी मतों का बंटवारा किसे लाभ पहुंचाएगा, यह इस चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

दूसरी ओर धार्मिक राजनीति का स्वर भी तेज होता दिखाई दे रहा है। भगवान राम और भगवान कृष्ण के नाम पर राजनीतिक और धार्मिक विमर्श के बीच बाबा रामदेव और धीरेंद्र शास्त्री के विवाद ने एक नई बहस को जन्म दिया है। धर्म के नाम पर भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने, साधु-संतों और बाबाओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप और वैचारिक टकराव दिखाई दे रहे हैं। राम मंदिर निर्माण, चंदे को लेकर उठे विवाद, युवाओं के असंतोष और जेन-जी से जुड़े आंदोलनों के बीच हिंदुत्व कमजोर होता हुआ दिख रहा था। समाज के भीतर अलग-अलग विचारधाराएं, अलग-अलग आस्थाएं और हिंदुओं के कई समूह सक्रिय हैं। ऐसे वातावरण में धार्मिक भावनाओं का चुनावी इस्तेमाल हिंदुत्व की सामाजिक एकता के लिए चुनौती बन सकता है। इस पूरे राजनीतिक संघर्ष का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष संविधान है। भारत का लोकतंत्र किसी धार्मिक ग्रंथ की व्याख्या या किसी राजनीतिक दल की इच्छा से नहीं, बल्कि संविधान और कानून से संचालित होता है। महाभारत में धर्म की स्थापना के लिए युद्ध हुआ था। वर्तमान में लोकतंत्र की रक्षा, आधुनिक भारत में संविधान के अनुसार न्याय, समानता, स्वतंत्रता और संवैधानिक अधिकार इस लड़ाई में शामिल हैं। चुनाव आयोग की निष्पक्षता, मतदाता के मत का सम्मान, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और संस्थाओं की जवाबदेही लोकतंत्र के मूल आधार हैं। 2027 का उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन या सत्ता बचाने की लड़ाई नहीं है। उत्तर प्रदेश का चुनाव तय करेगा कि केंद्र में भविष्य में किसकी सरकार बनेगी। राजनीति, धर्म के नाम पर समाज को बांटेगी या संविधान के आधार पर सबको समान अधिकार देगी। लोकतंत्र में जनता ही निर्णायक होती है। महाभारत युद्ध के बाद पांडवों को विजय तो मिली, लेकिन दोनों पक्षों ने अपनों को खोया। आज भारत को ऐसे चुनाव की जरूरत है, जिसमें जीत किसी भी दल या गठबंधन की हो लेकिन लोकतंत्र मजबूत हो। इस चुनाव में लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक सद्भाव और संवैधानिक मर्यादाओं की हार नहीं होनी चाहिए। असली धर्म सत्ता प्राप्त करना नहीं, बल्कि सत्ता का उपयोग जनकल्याण और न्याय के लिए करना है। 2027 के उत्तर प्रदेश चुनाव का यही लक्ष्य सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच होना चाहिए।

शीतकालीन सत्र : परिसीमन -महिला आरक्षण विधेयक से सरकार की अग्निपरीक्षा



सौरभ वार्ष्णेय

संसद का आगामी सत्र देश की राजनीति के लिए कई मायनों में महत्वपूर्ण साबित होने जा रहा है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अपने मंत्रियों को 15 दिसंबर से पहले संसद सत्र की तैयारियां पूरी करने और सत्र से पहले विदेश यात्राओं से बचने की सलाह देना इस बात का संकेत है कि सरकार आगामी संसदीय कार्यवाही को लेकर बेहद गंभीर है। बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में प्रधानमंत्री का यह निर्देश ऐसे समय आया है, जब संसद के मानसून सत्र के स्थगित होने के 100 से अधिक दिन बाद भी उसका औपचारिक सत्रावसान नहीं हुआ है। इस स्थिति ने राजनीतिक गलियारों में नई चर्चाओं को जन्म दिया है। विपक्ष जहां संसद सत्र बुलाने में देरी को लेकर सरकार पर सवाल उठा रहा है, वहीं सत्ता पक्ष के सामने परिसीमन से जुड़े महिला आरक्षण विधेयक को लेकर राजनीतिक और संवैधानिक चुनौतियां खड़ी हैं।

दरअसल, संसद का सत्र केवल विधायी कार्यवाही का माध्यम नहीं होता, बल्कि यह लोकतंत्र में सरकार और विपक्ष के बीच संवाद, जवाबदेही तथा राष्ट्रीय मुद्दों पर विचार-विमर्श का सबसे महत्वपूर्ण मंच भी है। ऐसे में संसद की बैठक बुलाने और उसे समय पर संचालित करने को लेकर उठने वाले सवालों को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित नहीं किया जाना चाहिए। संसद की कार्यवाही में निरंतरता और पारदर्शिता लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियादी जरूरत है।

मानसून सत्र 13 अगस्त को स्थगित हुआ था। इसके बाद से सत्रावसान नहीं होने और अगले सत्र की तारीख को लेकर अनिश्चितता ने विपक्ष को सरकार पर हमला करने का अवसर दिया है। विपक्ष का आरोप है कि सरकार जानबूझकर संसद की बैठक बुलाने में देरी कर रही है। हालांकि, सरकार के पास संसदीय कार्यक्रम निर्धारित करने का संवैधानिक और प्रक्रियागत अधिकार है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि संसद को राजनीतिक सुविधा के अनुसार चलाने की धारणा मजबूत होने दी जाए। संसद का महत्व किसी एक दल या सरकार से बड़ा है।

आगामी सत्र में सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा परिसीमन से जुड़ा महिला आरक्षण विधेयक माना जा रहा है। सरकार यदि इस विधेयक को संसद में प्रस्तुत करती है तो यह उसके लिए एक बड़ी राजनीतिक और विधायी परीक्षा होगी। संविधान संशोधन विधेयक पारित कराने के लिए संसद में विशेष बहुमत की आवश्यकता होती है। लोकसभा की 543 सदस्यीय वर्तमान संरचना में दो-तिहाई बहुमत का आंकड़ा 362 सदस्यों का है, जबकि राजनीतिक चर्चाओं में 361 मतों का आंकड़ा भी सामने रखा जा रहा है। ऐसे में सरकार को अपने मौजूदा संख्याबल से आगे बढ़कर विपक्षी दलों का समर्थन जुटाना होगा।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी एनडीए के पास वर्तमान में लगभग 320 सांसदों का समर्थन बताया जा रहा है। इस स्थिति में सरकार के लिए संविधान संशोधन विधेयक पारित कराना आसान नहीं होगा। केवल गठबंधन के संख्याबल के भरोसे संसद में दो-तिहाई बहुमत हासिल करना संभव नहीं दिखता। यही कारण है कि सरकार को क्षेत्रीय दलों और विपक्ष के कुछ घटकों के साथ संवाद स्थापित करना पड़ सकता है।

यहां सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या महिला आरक्षण जैसे व्यापक सामाजिक महत्व के विषय को राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से ऊपर उठाकर देखा जाएगा? महिलाओं को विधायी संस्थाओं में पर्याप्त प्रतिनिधित्व देना भारतीय लोकतंत्र की लंबे समय से चली आ रही आवश्यकता है। लेकिन यदि इस व्यवस्था को परिसीमन की प्रक्रिया से जोड़कर लागू किया जाता है तो इसके राजनीतिक, सामाजिक और संघीय प्रभावों पर गंभीर चर्चा आवश्यक हो जाती है।

परिसीमन का मुद्दा केवल लोकसभा की सीटें बढ़ाने तक सीमित नहीं है। इसका सीधा संबंध देश के संघीय ढांचे, राज्यों के प्रतिनिधित्व और राजनीतिक संतुलन से है। विशेष रूप से दक्षिण भारत के राज्यों की चिंताएं महत्वपूर्ण हैं। इन राज्यों का तर्क है कि उन्होंने जनसंख्या नियंत्रण, शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन किया है। ऐसे में यदि भविष्य में लोकसभा सीटों का निर्धारण केवल जनसंख्या के आधार पर किया जाता है तो जनसंख्या नियंत्रण में सफल राज्यों का संसद में सापेक्षिक राजनीतिक प्रभाव कम हो सकता है।

यह चिंता पूरी तरह नजरअंदाज नहीं की जा सकती। लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक के मत का समान महत्व होना चाहिए, लेकिन भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण संघीय देश में राज्यों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व का संतुलन भी उतना ही आवश्यक है।सरकार द्वारा लोकसभा की कुल सीटों में 50 प्रतिशत वृद्धि के संभावित फॉर्मूले पर विचार इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस प्रस्ताव के तहत राज्यों के बीच सीटों का मौजूदा अनुपात बनाए रखने और 1971 की जनगणना के आधार पर निर्धारित हिस्सेदारी को संरक्षित रखने की संभावना पर चर्चा हो रही है। यदि ऐसा कोई फार्मूला सामने आता है तो वह दक्षिणी राज्यों की चिंताओं को दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकता है।लेकिन इस विषय पर केवल राजनीतिक आश्वासन पर्याप्त नहीं होंगे। सरकार को स्पष्ट करना होगा कि प्रस्तावित परिसीमन से उत्तर और दक्षिण भारत के राज्यों के बीच प्रतिनिधित्व का संतुलन किस प्रकार बना रहेगा। साथ ही यह भी सुनिश्चित करना होगा कि किसी राज्य को जनसंख्या नियंत्रण और विकास के प्रयासों की सफलता के कारण राजनीतिक नुकसान न उठाना पड़े।

आगामी सत्र में विपक्ष मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर उठाए जा रहे सवालों पर भी सरकार को घेर सकता है। विपक्ष चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता, मतदाता सूची में संभावित गड़बड़ियों और निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता को लेकर अपनी आपत्तियां दर्ज करा रहा है। मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग भी राजनीतिक विवाद का विषय बनी हुई है।हालांकि, निर्वाचन आयोग एक स्वतंत्र संवैधानिक संस्था है और उसकी निष्पक्षता पर उठने वाले सवालों का समाधान तथ्यों, प्रक्रियाओं और संवैधानिक मर्यादाओं के आधार पर होना चाहिए। चुनाव आयोग की विश्वसनीयता लोकतंत्र की विश्वसनीयता से जुड़ी हुई है। इसलिए सरकार और विपक्ष दोनों की जिम्मेदारी है कि इस संस्था से जुड़े विवादों को राजनीतिक शोर-शराबे के बजाय संसदीय संवाद के माध्यम से सुलझाने का प्रयास करें।

विपक्ष का यह भी कहना है कि संसद का सत्र समय पर बुलाया जाना चाहिए था। वहीं सत्ता पक्ष के लिए आवश्यक है कि वह सदन में विपक्ष के सवालों का जवाब दे। लोकतंत्र में असहमति को बाधा नहीं, बल्कि व्यवस्था को मजबूत बनाने का माध्यम माना जाना चाहिए। संसद में हंगामा और कार्यवाही बाधित होना किसी भी पक्ष के हित में नहीं है।

अप्रैल में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 को आवश्यक समर्थन नहीं मिल पाने की चर्चा के बाद सरकार के सामने यह स्पष्ट चुनौती है कि वह इस बार पर्याप्त राजनीतिक सहमति कैसे बनाएगी। संविधान में संशोधन कोई सामान्य विधायी प्रक्रिया नहीं है। इसके माध्यम से देश की राजनीतिक और प्रशासनिक संरचना में दीर्घकालिक परिवर्तन किए जाते हैं। इसलिए ऐसे विधेयकों पर व्यापक विचार-विमर्श और राजनीतिक सहमति अनिवार्य है।

महिला आरक्षण के पक्ष में देश के लगभग सभी राजनीतिक दल सार्वजनिक रूप से अपनी प्रतिबद्धता जताते रहे हैं। ऐसे में सवाल यह उठता है कि जब महिला सशक्तीकरण पर व्यापक सहमति है तो परिसीमन के प्रश्न पर राजनीतिक मतभेद इतने गहरे क्यों हैं? इसका उत्तर इस बात में छिपा है कि राजनीतिक दल महिला आरक्षण के सिद्धांत का समर्थन तो करते हैं, लेकिन उसके क्रियान्वयन से होने वाले चुनावी और क्षेत्रीय प्रभावों को लेकर उनकी अपनी आशंकाएं हैं।

सरकार को चाहिए कि वह विधेयक का मसौदा सार्वजनिक विमर्श के लिए पर्याप्त स्पष्टता के साथ सामने रखे। राज्यों, क्षेत्रीय दलों, संवैधानिक विशेषज्ञों और महिला संगठनों से विचार-विमर्श किया जाए। इससे न केवल विधेयक की स्वीकार्यता बढ़ेगी, बल्कि भविष्य में किसी प्रकार के संवैधानिक विवाद की आशंका भी कम होगी। आगामी संसद सत्र में महिला आरक्षण, परिसीमन, एसआईआर, चुनाव आयोग की भूमिका और विपक्ष के अन्य सवालों को लेकर तीखी बहस होने की संभावना है। प्रधानमंत्री मोदी का मंत्रियों को पहले से तैयार रहने का निर्देश इस बात का संकेत है कि सरकार इस सत्र को महत्वपूर्ण मान रही है। लेकिन सरकार की सफलता केवल विधेयक पारित कराने में नहीं, बल्कि संसद को सुचारु रूप से चलाने और लोकतांत्रिक संवाद कायम रखने में भी होनी चाहिए।

पंजाब में भाजपा-अकाली गठबंधन: सत्ता परिवर्तन की नई आहट



पंजाब की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी और शिरोमणि अकाली दल का छह वर्ष बाद फिर साथ आना केवल दो राजनीतिक दलों के बीच गठबंधन की वापसी नहीं है, बल्कि यह पंजाब के बदलते राजनीतिक समीकरणों की महत्वपूर्ण आहट है, इससे आम आदमी पार्टी का संकट बढ़ेगा और पंजाब के राजनीतिक समीकरण बदलेंगे। गुरुनानक देव जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर घोषित यह गठबंधन 2027 के विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की सरकार के सामने एक मजबूत चुनौती के रूप में उभर सकता है। दोनों दलों का पुराना राजनीतिक रिश्ता, साझा शासन का अनुभव और एक-दूसरे के पूरक सामाजिक आधार इस गठबंधन को विशेष महत्व देते हैं। हालांकि चुनावी राजनीति में किसी गठबंधन की घोषणा सत्ता परिवर्तन की गारंटी नहीं होती, लेकिन इतना निश्चित है कि पंजाब में अब मुकाबला पहले की तुलना में अधिक रोचक, प्रतिस्पर्धी और त्रिकोणीय हो गया है। भाजपा और अकाली दल का संबंध राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के औपचारिक गठन से भी पुराना है। अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और प्रकाश सिंह बादल के दौर में दोनों दलों ने जिस राजनीतिक साझेदारी की नींव रखी थी, वह लंबे समय तक पंजाब की राजनीति में सफल मॉडल बनी रही। अकाली दल का ग्रामीण और सिख समाज में प्रभाव तथा भाजपा का शहरी हिंदू, व्यापारी और मध्यवर्गीय आधार एक-दूसरे के पूरक रहे। इसी सामाजिक और राजनीतिक समीकरण के कारण दोनों दलों ने मिलकर पंजाब में कई बार सत्ता हासिल की। लेकिन 2020 में तीन कृषि कानूनों को लेकर किसानों के व्यापक आंदोलन के बीच यह रिश्ता टूट गया। अकाली दल ने भाजपा से दूरी बनाई और हरसिमरत कौर बादल ने केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। उस समय यह निर्णय किसानों की भावनाओं और पंजाब की राजनीतिक परिस्थितियों के दबाव में लिया गया था, लेकिन बाद के चुनावों ने यह भी दिखाया कि इस अलगाव की राजनीतिक कीमत दोनों दलों को चुकानी पड़ी।

2022 के विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने 117 में से 92 सीटें जीतकर पंजाब की सत्ता पर शानदार ढंग से कब्जा किया। दूसरी ओर अकाली दल तीन और भाजपा केवल दो सीटों तक सिमट गई। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी दोनों दल अलग-अलग मैदान में उतरे। कांग्रेस ने सात, आम आदमी पार्टी ने तीन और अकाली दल ने एक सीट जीती, जबकि भाजपा एक भी सीट नहीं जीत सकी। हालांकि भाजपा का मत प्रतिशत करीब 18.6 प्रतिशत रहा और अकाली दल को भी लगभग 13.5 प्रतिशत वोट मिले। इससे स्पष्ट हुआ कि दोनों दलों के पास अलग-अलग पर्याप्त राजनीतिक आधार है, लेकिन अलग-अलग लड़ने पर वह वोट प्रभावी सीटों में परिवर्तित नहीं हो पा रहा है। अब छह वर्ष बाद दोनों दलों ने अपने अनुभवों से सबक लेते हुए फिर साथ आने का फैसला किया है। इसे राजनीतिक भूल-सुधार भी कहा जा सकता है और बदली परिस्थितियों की व्यावहारिक स्वीकृति भी। इस गठबंधन का सबसे बड़ा प्रभाव आम आदमी पार्टी पर पड़ना स्वाभाविक है। 2022 में आप को सबसे बड़ा लाभ विपक्ष के बिखरे होने से मिला था। कांग्रेस, अकाली दल और भाजपा अलग-अलग चुनाव लड़ रहे थे और सत्ता विरोधी मत एकजुट विकल्प में परिवर्तित नहीं हो पाए। अब भाजपा और अकाली दल के साथ आने से यह समीकरण बदल गया है। भाजपा का शहरी और मध्यवर्गीय आधार तथा अकाली दल का ग्रामीण संगठन और पारंपरिक जनसंपर्क यदि प्रभावी ढंग से एक-दूसरे के पक्ष में वोट ट्रांसफर कर पाते हैं, तो आम आदमी पार्टी के लिए निश्चित रूप से चुनौती बढ़ेगी। यही कारण है कि इस गठबंधन को पंजाब की वर्तमान सरकार के लिए गंभीर राजनीतिक खतरे की शुरुआत माना जा सकता है।

भाजपा के लिए भी यह गठबंधन रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। पंजाब में उसने अपना मत प्रतिशत बढ़ाया है, लेकिन उसे सीटों में बदलने में कठिनाई रही है। अकेले चुनाव लड़कर व्यापक ग्रामीण और सिख सामाजिक आधार तक पहुंच बनाना उसके लिए चुनौतीपूर्ण रहा है। अकाली दल के साथ आने से उसे पंजाब की स्थानीय सामाजिक संरचना में अधिक व्यापक पहुंच मिल सकती है। दूसरी ओर अकाली दल के लिए यह गठबंधन राजनीतिक पुनर्जीवन का अवसर है। कभी पंजाब की राजनीति की निर्णायक शक्ति रहे अकाली दल का जनाधार पिछले कुछ वर्षों में तेजी से कमजोर हुआ है। भाजपा के साथ लौटना उसके लिए केवल सत्ता में वापसी की कोशिश नहीं, बल्कि संगठन और कार्यकर्ताओं में नया विश्वास पैदा करने का अवसर भी है। फिर भी इस गठबंधन के सामने सबसे बड़ी चुनौती विश्वसनीयता की है। छह वर्ष पहले जिस कृषि कानून मुद्दे पर दोनों दल अलग हुए थे, अब उसी रिश्ते को पुनर्जीवित करने पर स्वाभाविक सवाल उठेंगे। अकाली दल को अपने मतदाताओं को समझाना होगा कि परिस्थितियां क्यों बदलीं और आज भाजपा के साथ आने का आधार क्या है। भाजपा को भी किसानों के साथ संवाद की नई और भरोसेमंद भाषा विकसित करनी होगी। लोकतंत्र में गठबंधन बनाना राजनीतिक दलों का अधिकार है, लेकिन जनता के विश्वास का सम्मान करना उनकी जिम्मेदारी भी है। विचारधारात्मक मतभेदों के बावजूद साथ आना अपने आप में अवसरवाद नहीं है, समस्या तब होती है जब राजनीतिक दल अपने पुराने रुख और वर्तमान निर्णय के बीच कोई विश्वसनीय स्पष्टीकरण नहीं दे पाते।

पश्चिम बंगाल और दिल्ली के राजनीतिक अनुभवों की पृष्ठभूमि में पंजाब का घटनाक्रम भाजपा की रणनीति को समझने का एक अवसर देता है। पश्चिम बंगाल में भाजपा ने लंबे समय से मजबूत राजनीतिक आधार रखने वाली शक्तियों के बीच अपनी जगह बनाई और दिल्ली में आम आदमी पार्टी की मजबूत सत्ता को चुनौती देकर सत्ता हासिल की। पंजाब में परिस्थितियां अलग हैं, लेकिन भाजपा अब यहां भी संगठन, गठबंधन और सामाजिक समीकरणों के माध्यम से सत्ता की संभावना तलाश रही है। अकाली दल का साथ इस रणनीति को स्थानीय आधार दे सकता है। लेकिन पंजाब की जनता केवल राजनीतिक गणित से प्रभावित नहीं होगी। किसान, युवा, रोजगार, नशा, उद्योग, कानून-व्यवस्था, शिक्षा और राज्य की आर्थिक स्थिति जैसे मुद्दे चुनाव का वास्तविक आधार बनेंगे। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भाजपा-अकाली गठबंधन को कागज पर वोट जोड़ने से आगे बढ़कर जमीन पर कार्यकर्ताओं और मतदाताओं को जोड़ना होगा। छह वर्ष तक अलग रहने के बाद दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के बीच पैदा हुई दूरी को समाप्त करना आसान नहीं होगा। नेतृत्व का समझौता हो जाना पर्याप्त नहीं है, बूथ स्तर तक राजनीतिक सहयोग और आपसी विश्वास जरूरी होगा। यदि भाजपा कार्यकर्ता अकाली उम्मीदवार के लिए और अकाली कार्यकर्ता भाजपा उम्मीदवार के लिए पूरी निष्ठा से काम करते हैं, तभी गठबंधन की वास्तविक शक्ति सामने आएगी।

पंजाब में अब चुनावी मुकाबला केवल सरकार बनाम विपक्ष नहीं रह गया है। यह आम आदमी पार्टी के शासन के मूल्यांकन, कांग्रेस की वापसी की कोशिश और भाजपा-अकाली गठबंधन की नई राजनीतिक संभावनाओं के बीच त्रिकोणात्मक मुकाबला होगा। भाजपा-अकाली गठबंधन निश्चित रूप से आप के लिए खतरे की घंटी है, लेकिन इसे सत्ता परिवर्तन की गारंटी मानना भी उचित नहीं होगा। अंततः चुनावी निर्णय जनता के प्रदर्शन और विश्वास पर निर्भर करेगा। यदि आप सरकार जनता के बीच अपना भरोसा बनाए रखती है तो गठबंधन की चुनौती सीमित रह सकती है, लेकिन यदि सत्ता विरोधी भावना मजबूत हुई तो भाजपा-अकाली गठबंधन उस भावना को एक संगठित राजनीतिक विकल्प दे सकता है। इस गठबंधन की सबसे बड़ी परीक्षा यही होगी कि क्या भाजपा और अकाली दल केवल सत्ता पाने के लिए फिर साथ आए हैं या पंजाब के लिए कोई साझा भविष्य-दृष्टि भी रखते हैं। यदि वे किसानों के सम्मान, युवाओं के रोजगार, नशामुक्त पंजाब, उद्योग के विकास, कानून-व्यवस्था और हिंदू-सिख भाईचारे को अपने साझा एजेंडे का केंद्र बनाते हैं तो यह गठबंधन केवल चुनावी समझौता नहीं, पंजाब की राजनीति में नई धुरी बन सकता है। 2020 का अलगाव, 2022 की हार और 2024 का अलग-अलग चुनाव दोनों दलों को यह सिखा चुका है कि राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन साझा राजनीतिक जमीन को पूरी तरह खो देना किसी के हित में नहीं। अब 2027 बताएगा कि यह पुनर्मिलन केवल सत्ता की मजबूरी है या वास्तव में पंजाब की राजनीति में एक नई शुरुआत एवं शुभ भविष्य की आहट है। गठबंधन का हाथ नेताओं ने मिलाया है, लेकिन उसकी सफलता का फैसला पंजाब की जनता करेगी।

अमरोहा

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

संविधान दिवस के अवसर पर पुलिस द्वारा संविधान की प्रस्तावना का पाठ कर अधिकारी एवं कर्मचारीयो को दिलाई गई शपथ





अमरोहा (सब का सपना):- गुरुवार को संविधान दिवस के अवसर पर जनपद अमरोहा पुलिस द्वारा पुलिस लाइन, पुलिस अधीक्षक कार्यालय, जनपद के विभिन्न पुलिस कार्यालयों एवं समस्त थानों में संविधान दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस लाइन में अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया द्वारा उपस्थित अधिकारी एवं कर्मचारीयो को भारतीय संविधान की प्रस्तावना का पाठ कराते हुए संविधान में निहित मूल्यों, आदर्शों एवं सिद्धांतों के प्रति निष्ठा रखने तथा उनका पालन करने की शपथ दिलाई गई। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक कार्यालय में क्षेत्राधिकारी धनौरा अंजली कटारिया द्वारा पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारीगण को संविधान की प्रस्तावना का पाठ कराकर शपथ दिलाई गई। जनपद के समस्त थानों एवं अन्य पुलिस कार्यालयों में भी संबंधित अधिकारियों द्वारा संविधान दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित कर पुलिसकर्मियों को संविधान की प्रस्तावना का पाठ कराया गया तथा संविधान में वर्णित न्याय, स्वतंत्रता, समता एवं बंधुता के आदर्शों को आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर सभी अधिकारी एवं कर्मचारीगण ने भारतीय संविधान के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त करते हुए संविधान की गरिमा, लोकतांत्रिक मूल्यों एवं संवैधानिक दायित्वों का पालन करने तथा अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूर्ण ईमानदारी, निष्पक्षता एवं जिम्मेदारी के साथ करने का संकल्प लिया।

गंगेश्वरी में मानदेय बढ़ोतरी व लंबित भुगतान की मांग को लेकर वीबी-ग्राम जी कर्मचारी हड़ताल पर, विकास कार्य ठप

समाधान न होने तक जारी रहेगा कार्य बहिष्कार व कलमबंद हड़ताल, बीडीओ को सौंपा ज्ञापन



रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश मनरेगा कार्मिक कल्याण संगठन के आह्वान पर विकास खण्ड गंगेश्वरी में वीबी-जी राम जी योजना के तहत कार्यरत समस्त कर्मचारी अपनी लंबित मांगों के समर्थन में 23 नवम्बर से अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार एवं कलमबंद हड़ताल पर चले गए हैं। हड़ताल के चलते ब्लॉक में योजना से जुड़े कार्य पूरी तरह ठप हो गए हैं। संगठन की ओर से खण्ड विकास अधिकारी गंगेश्वरी को सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि वीबी-जी राम जी में कार्यरत ग्राम रोजगार सेवकों सहित अन्य कर्मचारियों की मानदेय बढ़ोतरी, लंबित मानदेय भुगतान, ईपीएफओ सहित कई समस्याएं लंबे समय से लंबित हैं। इनके समाधान के लिए समय-समय पर शासन-प्रशासन को अवगत कराया गया, लेकिन अभी तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। प्रदेश नेतृत्व के निर्णय के बाद ही कर्मचारियों ने हड़ताल का रास्ता अपनाया है। संगठन ने मांग की है कि जब तक समस्याओं के समाधान को लेकर शासनादेश जारी नहीं हो जाता, तब तक हड़ताल जारी रहेगी। इस अवधि में कोई भी कर्मचारी विभागीय कार्य नहीं करेगा। ज्ञापन में बीडीओ से अनुरोध किया गया है कि संगठन के निर्णय से उच्चाधिकारियों को अवगत कराया जाए और हड़ताल अवधि को संज्ञान में लिया जाए। साथ ही किसी भी कर्मचारी पर कार्य करने के लिए अनावश्यक दबाव न बनाया जाए। आगे बताया कि शुक्रवार 27 नवंबर को समस्त कर्मचारी वीबी-जी राम जी, विकासभवन अमरोहा का घेराव करेंगे। जिसके बाद 3 दिसंबर को प्रदेश के समस्त कर्मचारी वीबी-जी राम जी, विधानसभा का घेराव करने की घोषणा की है। इस दौरान ज्ञापन सौंपने वालों में प्रेम शंकर, मोहित त्यागी, प्रमोद गिरी, छत्रपाल सिंह, चरण सिंह, सुक्खन सिंह आदि कर्मचारी मौजूद रहे।

बाइक की टक्कर से किसान की मौत, परिवार में मचा कोहराम

फैक्ट्री से ड्यूटी कर घर लौटते समय हुआ हादसा, डिडौली पुल के पास बाइक खराब होने पर पैदल जा रहा था करन सिंह





डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के डिडौली थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में एक किसान की जान चली गई। बाइक खराब होने के बाद उसे पैदल लेकर जा रहे 42 वर्षीय करन सिंह को पीछे से आ रही दूसरी बाइक ने टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल करन सिंह ने मेरठ में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। बता दें कि मामले में प्राप्त जानकारी के अनुसार, डिडौली क्षेत्र के चुबका गांव निवासी करन सिंह निजी सिक्योरिटी गार्ड के रूप में नौकरी करते थे। रविवार रात वह चौधरपुर स्थित एक निजी फैक्ट्री से ड्यूटी समाप्त कर बाइक से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान डिडौली पुल के पास उनकी बाइक खराब हो गई। इसके बाद वह बाइक को पैदल लेकर जाने लगे। रात करीब 10 बजे पीछे से आई एक अन्य बाइक ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में करन सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही डिडौली पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को जोया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें मेरठ रेफर कर दिया। वहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।करन सिंह खेतीबाड़ी भी करते थे। उनके परिवार में पत्नी रीना के अलावा दो बेटे और एक बेटी हैं। उनकी मौत की खबर मिलते ही परिजनों में शोक छा गया। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।डिडौली थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। मृतक के भाई तिलकराज सिंह की तहरीर पर बाइक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। शिकायत में दिल्ली के शाहदरा निवासी सचिन शर्मा पुत्र विनेश शर्मा पर लापरवाही से बाइक चलाते हुए टक्कर मारने का आरोप लगाया गया है। पुलिस मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

मंडी धनौरा में रोजगार सहायकों का धरना-प्रदर्शन, मांगों को लेकर की तालाबंदी

मानदेय वृद्धि, ईपीएफ सुविधा, एचआर पॉलिसी और पारदर्शी स्थानांतरण व्यवस्था लागू करने की उठाई मांग



धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा ब्लॉक परिसर में गुरुवार को वीवीजी राम जी संघर्ष समिति के नेतृत्व में कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर धरना-प्रदर्शन किया। प्रदेश संगठन के आह्वान पर आयोजित आंदोलन में ग्राम रोजगार सहायक, तकनीकी सहायक, कंप्यूटर ऑपरेटर और एपीओ ने भाग लिया। इस दौरान कर्मचारियों ने मनरेगा एवं वीवीजी राम जी कार्यालयों में तालाबंदी कर कार्य बहिष्कार किया। प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों ने मानदेय में बढ़ोतरी, ईपीएफ का लाभ, अलग बजट की व्यवस्था कर समय से भुगतान और स्पष्ट एचआर पॉलिसी लागू करने की मांग उठाई। इसके अलावा तबादलों की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने की भी मांग की गई। कर्मचारियों का कहना था कि लंबे समय से उनकी मांगों पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है, जिसके चलते उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा। धरना सभा को संबोधित करते हुए जिला कोषाध्यक्ष मान्धाता सैनी ने कहा कि जब तक कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान नहीं होता, तब तक धरना और हड़ताल जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि प्रदेशभर में कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर आंदोलनरत हैं और वीबीजी रामजी से जुड़े कर्मचारियों ने भी इसमें अपना समर्थन दिया है।उन्होंने सभी कर्मचारियों से एकजुट होकर अपने अधिकारों की लड़ाई जारी रखने का आह्वान किया।

इस मौके पर नाजिर हुसैन, अरुण कुमार, पिंटू, इसरार, नीशू, कृपाराम गुर्जर, संजीव कुमार, सुनीता, रितेश, चीनू सागर, सत्यप्रकाश, मानसिंह, सिद्धराज सिंह, महेंद्र सिंह, राकेश, राजेश कुमार सैनी, बृजकिशोर, तेजपाल सिंह और मुकेश रावल सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

राजकीय इंटर कॉलेज में सड़क सुरक्षा कार्यशाला आयोजित





अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी जनपद अमरोहा एवं पुलिस अधीक्षक जनपद अमरोहा के दिशा-निर्देशों के क्रम में उप सम्भागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन मनोज कुमार मिश्रा के नेतृत्व में राजकीय इंटर कॉलेज अमरोहा में छात्र-छात्राओं के लिए सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य अनिल कुमार जग्गा, यातायात उपनिरीक्षक अनुज कुमार मलिक, परिवहन विभाग से यात्री/मालकर अधिकारी सुधीर कुमार सिंह, विद्यालय के प्राचार्य निशांत कुमार एवं प्रवक्ता कावेन्द्र सिंह सहित विद्यालय के बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। कार्यशाला के दौरान छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। वक्ताओं द्वारा ड्राइविंग रेगुलेशंस, रोड रेगुलेशंस, सड़क संकेत एवं चिह्नों की भाषा, यातायात नियमों तथा वाहन संचालन के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में बताया गया। साथ ही सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों की सहायता करने तथा दुर्घटना पीड़ितों को समय पर उचित मदद उपलब्ध कराने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में ड्राइविंग रेगुलेशंस के विभिन्न प्रावधानों, यातायात नियमों के पालन की आवश्यकता, सड़क पर जिम्मेदार व्यवहार तथा सुरक्षित आवागमन के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इसके अतिरिक्त सार्वजनिक सेवा वाहनों में महिलाओं के आवागमन के दौरान बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों एवं विभिन्न आपातकालीन सेवाओं के हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी छात्र-छात्राओं को दी गई। कार्यशाला के अंत में उपस्थित छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने, स्वयं सुरक्षित रहने तथा दूसरों को भी यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने की सड़क सुरक्षा शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं विद्यार्थियों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता विकसित करना, यातायात नियमों के पालन की आदत को प्रोत्साहित करना तथा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए समाज में जिम्मेदार नागरिकों की भूमिका को मजबूत करना रहा।

डेढ़ लाख रुपये नकद और सोने-चांदी के जेवर लेकर चोर फरार



बछरायूं/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के बछरायूं थाना क्षेत्र के कुम्हारपुरा गांव में बंद मकान को निशाना बनाते हुए अज्ञात चोरों ने करीब डेढ़ लाख रुपये की नकदी और सोने-चांदी के जेवर चोरी कर लिए। घटना के समय मकान स्वामी अपनी पत्नी के साथ पोते के जन्मदिन समारोह में शामिल होने मुरादाबाद गया हुआ था। परिवार के गांव लौटने पर चोरी की जानकारी हुई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बता दें कि मामले में प्राप्त जानकारी के अनुसार गजरौला-मंडी धनौरा मार्ग स्थित कुम्हारपुरा गांव निवासी दलसिंह पुत्र स्वर्गीय दुर्गा सिंह 23 नवंबर 2026 की शाम करीब पांच बजे अपनी पत्नी लक्ष्मी के साथ मुरादाबाद गए थे। वहां उनके बेटे रोहित के पुत्र काव्यांश का जन्मदिन समारोह था। परिवार के घर से बाहर जाने के कारण मकान पर ताला लगा हुआ था।बताया गया कि 24 और 25 नवंबर की दरम्यानी रात करीब पौने चार बजे दलसिंह के छोटे भाई कन्हैया ने फोन कर घर में चोरी होने की सूचना दी। इसके बाद दलसिंह और उनकी पत्नी 25 नवंबर की सुबह गांव पहुंचे। घर के अंदर जाकर देखा तो सामान बिखरा हुआ था और अलमारी में रखे दो सोने के कंगन, मंगलसूत्र के दो ताबीज, एक सोने की चेन, एक टीका, एक जोड़ी पाजेब, एक जोड़ी हल्की पाजेब और करीब डेढ़ लाख रुपये की नकदी गायब थी। पीड़ित दलसिंह ने घटना की सूचना पुलिस को देते हुए थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ लिखित शिकायत दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।बछरायूं थाना प्रभारी अतवीर चौहान ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस घटनास्थल के आसपास जांच कर रही है और चोरी की घटना का खुलासा करने का प्रयास किया जा रहा है।

रजबपुर थाने में पुलिसकर्मियों ने पढ़ी संविधान की प्रस्तावना

संविधान दिवस पर न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता के सिद्धांतों पर चलने की ली शपथ



रजबपुर/अमरोहा (सब का सपना):- थाने में गुरुवार को संविधान दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ किया और उसमें निहित मूल आदर्शों को अपने आचरण में शामिल करने का संकल्प लिया। बता दें कि 26 नवंबर को संविधान दिवस के उपलक्ष्य में अमरोहा पुलिस लाइन, पुलिस अधीक्षक कार्यालय सहित विभिन्न पुलिस कार्यालयों और थानों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी कड़ी में रजबपुर थाने में भी पुलिसकर्मियों ने संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया।इस अवसर पर पुलिसकर्मियों ने न्याय, स्वतंत्रता, समता और बंधुता के संवैधानिक सिद्धांतों के अनुरूप कार्य करने की शपथ ली। साथ ही संविधान की गरिमा, लोकतांत्रिक परंपराओं और मूल्यों की रक्षा करने की प्रतिबद्धता जताई। कार्यक्रम के दौरान पुलिसकर्मियों ने अपने विभागीय दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी, निष्पक्षता और जवाबदेही के साथ करने का भी संकल्प लिया। उन्हें संविधान में वर्णित नागरिक अधिकारों, मूलभूत सिद्धांतों और संवैधानिक मूल्यों के महत्व से भी अवगत कराया गया।

ऐतिहासिक तिगरी मेले में उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग का स्टॉल लगा



अमरोहा (सब का सपना):- ऐतिहासिक तिगरी मेले में आयोजित कृषि प्रदर्शनी में इस वर्ष पशुपालन विभाग के साथ-साथ उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग का भी स्टॉल लगाया गया। यह स्टॉल गौ सेवा आयोग के सदस्य दीपक गोयल एवं रमाकांत उपाध्याय की प्रेरणा से लगाया गया। स्टॉल में गौ आश्रय स्थलों को स्वावलंबी बनाने हेतु गाय के गोबर एवं गौमूत्र से तैयार विभिन्न उत्पाद जैसे भगवान की मूर्तियाँ, गोनाइल, दीपक, लोबान कप और वॉल हैंगिंग आदि प्रदर्शित किये गये।

अभय सक्सेना, जिला समिति सदस्य मुरादाबाद ने कान्हा गौ सेवा केंद्र मिलन विहार, दिल्ली रोड मुरादाबाद में बनाये जा रहे उत्पादों का प्रदर्शन किया। विधायक धनौरा विधानसभा राजीव तरारा, अपर जिलाधिकारी न्यायिक धीरेंद्र प्रताप, अपर जिला न्यायाधीश तथा अन्य उच्चाधिकारियों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने स्टॉल का अवलोकन कर सराहना की। अपर निदेशक ग्रेड-2 पशुपालन विभाग मुरादाबाद मंडल डॉ. जगदीश प्रसाद ने भी स्टॉल का निरीक्षण किया और जनपद के सभी गौ आश्रय स्थलों को स्वावलंबी बनाने की दिशा में सार्थक प्रयास करने के निर्देश दिये। जनपद के लगभग सभी गौ आश्रय स्थलों में गोबर की खाद का उत्पादन किया जा रहा है। स्टॉल के सफल संचालन में डॉ. भागेश, डॉ. शिवानी, नेपाल सिंह एवं अंकित कुमार का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

राष्ट्रीय दुग्ध दिवस पर सम्मान समारोह का आयोजन





अमरोहा (सब का सपना):- राष्ट्रीय दुग्ध दिवस के उपलक्ष्य में विकास भवन सभागार में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख गुरेंद्र सिंह ढिल्लों ने किया। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. आभा दत्त ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि राष्ट्रीय दुग्ध दिवस प्रतिवर्ष 26 नवंबर को श्वेत क्रांति के जनक डॉ. वर्गीस कुरियन की जयंती पर मनाया जाता है। इसका उद्देश्य दूध और डेयरी उत्पादों के पोषण लाभों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा डेयरी किसानों के योगदान को सम्मानित करना है। नोडल अधिकारी डॉ. रोहताश कुमार ने दूध के महत्व, नस्ल सुधार और स्वच्छ दूध उत्पादन पर विस्तार से जानकारी दी। परियोजना निदेशक अंबरीश कुमार ने किसानों को वैज्ञानिक पशुपालन अपनाने और सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि गुरेंद्र सिंह ढिल्लों ने गाय को माता का दर्जा देने वाली भारतीय संस्कृति का उल्लेख करते हुए नकली दूध की समस्या पर चिंता जताई और गुणवत्तापूर्ण दूध उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया।कार्यक्रम में चकुनी, चंदन कोटा, बरखेड़ा राजपूत, डींगरा, मऊ मयचक, खैया माफी और साथलपुर के गौ आश्रय स्थलों के संचालकों को सम्मानित किया गया। संचालन डॉ. निलय कुमार और डॉ. विजेंद्र सिंह ने किया।

संविधान दिवस पर एक स्वर एक संविधान कार्यक्रम में गूंजा प्रस्तावना का सामूहिक वाचन





चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निदेर्शों के क्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सम्भल स्थित चंदौसी के तत्वावधान में संविधान दिवस के अवसर पर एसएम इंटर कॉलेज चंदौसी में एक स्वर एक संविधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों न्यायिक अधिकारियों शिक्षकों एवं अन्य प्रतिभागियों द्वारा भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया गया।कार्यक्रम में जनपद न्यायाधीश डॉ. विदुषी सिंह जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल एवं पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी सहित अपर जनपद न्यायाधीश आरती फौजदार अपर जनपद न्यायाधीश रागिनी सिंह अपर जनपद न्यायाधीश अवधेश कुमार सिंह एवं गोपाल मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट व प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दीपक कुमार जायसवाल सिविल जज सीनियर डिवीजन सम्भल स्थित चंदौसी आदित्य सिंह सिविल जज सीनियर डिवीजन चंदौसी पराग यादव तथा अधिशासी अधिकारी नगर पालिका चंदौसी सतेन्द्र प्रकाश और न्यायालय के कर्मचारी उपस्थित रहे।इस अवसर पर विद्यालय के छात्र छात्राओं एवं शिक्षकों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की। सभी ने एक स्वर में संविधान की प्रस्तावना का वाचन कर संविधान के मूल आदर्शों लोकतांत्रिक मूल्यों न्याय स्वतंत्रता समानता एवं बंधुता के सिद्धांतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं को पुरस्कृत कर सम्मानित भी किया गया। आयोजन का उद्देश्य युवाओं और नागरिकों में संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा लोकतांत्रिक परंपराओं को और अधिक सुदृढ़ करना रहा। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में भव्य रूप से मनाया गया संविधान दिवस





बहजोई/संभल (सब का सपना):- बहजोई महाविद्यालय में गुरुवार को राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में संविधान दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को भारतीय संविधान के गौरवशाली इतिहास और उसके लोकतांत्रिक मूल्यों से अवगत कराना रहा।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य नेमपाल सिंह यादव ने संविधान निर्माण की ऐतिहासिक प्रक्रिया से लेकर उसके लागू होने तक के सफर पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को संविधान सभा की कार्यप्रणाली और संविधान के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी देते हुए राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि संविधान प्रत्येक नागरिक को अधिकार देने के साथ-साथ राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों का बोध भी कराता है।इसी क्रम में अर्थशास्त्र विभाग की सहायक आचार्या डॉ. गीता ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय संविधान की नींव भारत शासन अधिनियम से ही प्रारंभ हो चुकी थी। उन्होंने ऐतिहासिक तथ्यों को स्पष्ट करते हुए बताया कि 26 नवंबर 1949 को भारतीय संविधान बनकर तैयार हुआ और इसे अंगीकृत किया गया तथा 26 जनवरी 1950 को इसे देश में पूर्ण रूप से लागू किया गया। उन्होंने इस दिन को हमारे राष्ट्रीय जीवन का एक ऐतिहासिक मील का पत्थर बताते हुए सभी से संवैधानिक आदर्शों को जीवन में उतारने का आह्वान किया।कार्यक्रम के सफल आयोजन में महाविद्यालय परिवार का सराहनीय योगदान रहा। इस अवसर पर महाविद्यालय स्टाफ से संजय कुमार और पूजा शर्मा तथा प्रीती शर्मा के साथ डॉ. गीता और दीप्ति रानी उपस्थित रहीं। इनके अतिरिक्त नेमपाल सिंह यादव और रामतीरथ तथा सत्येंद्र कुमार एवं डॉ. ओपी सिंह सहित भुवनेश कुमार और राजीव कुमार आदि शिक्षक व कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के साथ एसपी ने की गोष्ठी, सकारात्मक संदेश प्रसारित करने की अपील

यातायात, साइबर अपराध, महिला सुरक्षा और नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाने पर दिया जोर



बहजोई/संभल (सब का सपना):- जनपद में गुरुवार को पुलिस अधीक्षक विकास चंद्र त्रिपाठी ने पुलिस लाइन बहजोई स्थित सभागार में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के साथ गोष्ठी आयोजित की। इसका मुख्य उद्देश्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का सकारात्मक एवं जनहितकारी कार्यों में उपयोग सुनिश्चित करना और इनके माध्यम से आमजन को विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों के प्रति जागरूक करना रहा। गोष्ठी के दौरान पुलिस अधीक्षक ने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स से संवाद करते हुए कहा कि वर्तमान समय में सोशल मीडिया सूचनाओं के प्रसार और सामाजिक जागरूकता बढ़ाने का एक सशक्त माध्यम बन चुका है। ऐसे में सभी इन्फ्लुएंसर्स अपने प्लेटफॉर्म के माध्यम से समाज में सकारात्मक संदेश प्रसारित करें और जनहित के कार्यों में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। एसपी ने विशेष रूप से यातायात नियमों का पालन, साइबर अपराधों से बचाव, महिला सुरक्षा, नशे के दुष्प्रभाव, कानून एवं शांति व्यवस्था तथा पुलिस की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति लोगों को जागरूक करने में सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की अपुष्ट, भ्रामक अथवा अफवाह फैलाने वाली सूचना प्रसारित न करें। किसी भी संवेदनशील घटना से जुड़ी जानकारी साझा करने से पहले उसकी सत्यता की पुष्टि अवश्य करें। इस दौरान सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स ने भी अपने विचार एवं सुझाव रखे। पुलिस अधीक्षक ने सभी के सुझावों को गंभीरता से सुनते हुए पुलिस और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के बीच बेहतर समन्वय एवं सहयोग बनाए रखने पर जोर दिया। संभल पुलिस द्वारा आमजन में जागरूकता बढ़ाने और सोशल मीडिया के माध्यम से सकारात्मक सामाजिक संदेशों का प्रसार करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

संविधान दिवस पर अधिवक्ताओं ने लिया संवैधानिक मूल्यों की रक्षा का संकल्प



चंदौसी/संभल (सब का सपना):- श्री नारायण सेवा समिति (रजि.) चंदौसी के तत्वावधान में गुरुवार को चंदौसी तहसील परिसर में भारतीय संविधान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए समिति के संरक्षक दृगपाल सिंह ने कहा कि प्रत्येक वर्ष 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया जाता है। इसी दिन वर्ष 1949 में संविधान सभा ने भारतीय संविधान को औपचारिक रूप से अंगीकृत किया था। समिति के सचिव दिलीप यादव एडवोकेट ने कहा कि 26 नवंबर 1949 को संविधान अंगीकृत होने के बाद 26 जनवरी 1950 को इसे लागू किया गया। सचिव महेश चंद्र वार्ष्णेय एडवोकेट ने बताया कि भारतीय संविधान को तैयार करने में 2 वर्ष, 11 माह और 4 दिन का समय लगा। अजय गुप्ता एडवोकेट ने कहा कि पहले संविधान दिवस को राष्ट्रीय कानून दिवस के रूप में मनाया जाता था। उपाध्यक्ष सत्यवीर सिंह एडवोकेट ने बताया कि भारत सरकार ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की 125वीं जयंती के उपलक्ष्य में वर्ष 2015 से 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाने की शुरूआत की। अभिषेक शंखधार एडवोकेट ने कहा कि इस दिवस को मनाने का उद्देश्य संविधान के महत्व और डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों एवं सिद्धांतों का प्रचार-प्रसार करना है। रामसेवक यादव एडवोकेट ने कहा कि संविधान दिवस नागरिकों को न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता जैसे संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूक करने के साथ मौलिक कर्तव्यों की याद दिलाता है। इसके पश्चात समिति के प्रबंधक हरीश कठेरिया ने उपस्थित लोगों को संविधान की गरिमा, समता, स्वतंत्रता, न्याय, बंधुता, अखंडता, एकता और संप्रभुता बनाए रखने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर महपाल सिंह, अनुज कुमार, पंकज कुमार, कमर अली, आदित्य शंखधार, गौरव, विकास कुमार, मौ. तारिक अनवर, महेश चंद्र यादव, विजय बहादुर, बाबू सिंह सहित अन्य अधिवक्तागण मौजूद रहे।

संविधान दिवस पर पत्रकार सम्मान समारोह आयोजित, पत्रकारों के योगदान को सराहा

आराध्या वूमेन एंड चाइल्ड वेलफेयर एसोसिएशन ने पत्रकारों को किया सम्मानित, सामाजिक मुद्दों पर हुई चर्चा



चंदौसी/संभल(सब का सपना):- जनपद में संविधान दिवस के अवसर पर गुरुवार को आराध्या वूमेन एंड चाइल्ड वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में महिंद्र रेस्टोरेंट में पत्रकार सम्मान समारोह एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लोकतंत्र के चतुर्थ स्तंभ पत्रकारिता जगत से जुड़े पत्रकारों को उनके सामाजिक योगदान और निष्पक्ष पत्रकारिता के प्रति समर्पण के लिए सम्मानित किया गया। इस दौरान पत्रकारों ने पत्रकारिता के क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों, सामाजिक व्यवस्थाओं और समाज को सकारात्मक दिशा देने जैसे विषयों पर अपने विचार साझा किए। संस्था की अध्यक्ष पूनम अरोड़ा ने कहा कि आराध्या वूमेन एंड चाइल्ड वेलफेयर एसोसिएशन महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, उनके कौशल विकास तथा बच्चों की शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर कार्य कर रही है। संस्था का उद्देश्य जरूरतमंद वर्गों तक सहयोग और जागरूकता पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि पत्रकार अपनी लेखनी के माध्यम से जनसमस्याओं को आवाज देते हैं। ऐसे कर्मठ पत्रकारों का सम्मान करना गौरव की बात है। संस्था की सचिव डॉ. दुर्गा टंडन ने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र की आवाज है। पत्रकार केवल समाचार नहीं लिखते, बल्कि समय के सच और समाज के इतिहास को भी दर्ज करते हैं। संविधान द्वारा दिए गए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने में पत्रकारों की महत्वपूर्ण भूमिका है। पत्रकारों का सम्मान वास्तव में सत्य, निष्पक्षता और लोकतांत्रिक चेतना का सम्मान है। विचार गोष्ठी में पत्रकारों ने समाज में सकारात्मक बदलाव लाने और सामाजिक व्यवस्थाओं को मजबूत बनाने के लिए अपने सुझाव भी रखे। कार्यक्रम में पूनम अरोड़ा, डॉ. दुर्गा टंडन, अनु और मीनू आहूजा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने गुन्नौर के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय का निरीक्षण कर शिक्षा और भोजन की गुणवत्ता परखी





सम्भल (सब का सपना):- जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने तहसील गुन्नौर स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय में छात्राओं के नामांकन और उपस्थिति की जानकारी ली। साथ ही कक्षा 6 ,7 एवं 8 की छात्राओं से बातचीत कर शिक्षा की गुणवत्ता और विद्यालय में मिल रहे भोजन के बारे में पूछा। जिलाधिकारी ने स्मार्ट क्लास का निरीक्षण करते हुए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा को निर्देश दिए कि छात्राओं के ज्ञानवर्धन और शैक्षिक विकास के लिए स्मार्ट क्लास में नियमित रूप से क्विज महापुरुषों की जीवनियों एवं सामान्य ज्ञान की गतिविधियों के लिए समय सारिणी के अनुसार समय निर्धारित किया जाए। उन्होंने कहा कि इससे छात्राओं को नियमित पढ़ाई के साथ सामान्य ज्ञान और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में भी मदद मिलेगी।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निमार्णाधीन कंप्यूटर लैब और हॉस्टल के निर्माण कार्य की प्रगति की भी जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरे कराए जाएं। हॉस्टल के पास खड़े पेड़ के विषय में उन्होंने वन विभाग से समन्वय कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा के साथ अन्य संबंधित अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद रहे।

नगर पालिका परिषद अमरोहा में मनाया गया संविधान दिवस



अमरोहा (सब का सपना):- भारत के संविधान दिवस के उपलक्ष्य में नगर पालिका परिषद अमरोहा में एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पालिका अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार ने संविधान की प्रस्तावना का पाठ किया। उनके साथ पालिका के अधीनस्थ स्टाफ सदस्यों ने भी संविधान की प्रस्तावना का अनुसरण करते हुए पाठ किया। कार्यक्रम में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भारत के संविधान के प्रति अपनी गहरी आस्था और सम्मान व्यक्त किया। संविधान दिवस प्रत्येक वर्ष 26 नवंबर को मनाया जाता है। यह दिन संविधान सभा द्वारा वर्ष 1949 में संविधान को अंगीकृत किये जाने की स्मृति में मनाया जाता है। पालिका अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार ने इस अवसर पर कहा कि संविधान देश की सर्वोच्च विधि है और सभी नागरिकों का कर्तव्य है कि वे इसके मूल्यों और सिद्धांतों का पालन करें। कार्यक्रम में मौजूद सभी कर्मचारियों ने संविधान के प्रति अपनी निष्ठा दोहराई और लोकतंत्र की मजबूती के लिए एकजुटता का संकल्प लिया।

संविधान की प्रस्तावना का पाठ कर विद्यार्थियों ने लिया कर्तव्यों का संकल्प



चंदौसी/संभल (सब का सपना):- जनपद के चंदौसी में गुरुवार को संविधान दिवस के अवसर पर डॉ. भीमराव अंबेडकर जूनियर हाईस्कूल में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के संचालक महानंदन गौतम एवं प्रधानाचार्या आशा गोस्वामी ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर किया। इस दौरान विद्यालय के संचालक महानंदन गौतम, प्रधानाचार्या आशा गोस्वामी, शिक्षक-शिक्षिकाओं और छात्र-छात्राओं ने संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ किया। साथ ही संविधान में दिए गए मौलिक अधिकारों एवं कर्तव्यों की रक्षा करने की शपथ ली। कार्यक्रम में बच्चों ने संविधान के महत्व पर भाषण, निबंध, कविता और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। वक्ताओं ने कहा कि 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने भारतीय संविधान को अंगीकृत किया था, जिसे 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया। प्रधानाचार्या आशा गोस्वामी ने कहा कि संविधान केवल एक किताब नहीं, बल्कि नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करने वाला सबसे बड़ा आधार है। बाबा साहेब ने देशवासियों को समानता का अधिकार दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रत्येक बच्चे को संविधान पढ़ना और समझना चाहिए। विद्यालय संचालक महानंदन गौतम ने कहा कि संविधान हमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, शिक्षा और समानता का अधिकार देता है। अधिकारों के साथ हमें अपने मौलिक कर्तव्यों का भी पालन करना चाहिए। देश की रक्षा, पर्यावरण संरक्षण और आपसी भाईचारा बनाए रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों को संविधान के प्रति जागरूक रहने और एक अच्छा नागरिक बनने का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महानंदन गौतम ने की तथा संचालन शिक्षक अश्वनी शर्मा ने किया। इस अवसर पर नीरज शर्मा, सत्येंद्र सिंह, सत्यपाल सिंह, रमन शर्मा, शशि भारद्वाज, सीमा अग्रवाल, क्षमता, महताब जहां, रेशमा, सुशीला, अनामिका यादव, तनु कृपाली, गौरी, कविता, रंजीत कौर, वंशिका सक्सेना, योगेश और विनीता सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मतदान कार्मिकों के डाटा ऑनलाइन फीडिंग एवं एढऊर पोर्टल के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया



अमरोहा (सब का सपना):- आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 के दृष्टिगत मतदान कार्मिकों की तैनाती एवं निर्वाचन संबंधी तैयारियों को समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराने के उद्देश्य से आज मुख्य विकास अधिकारी उमेश चंद्र तिवारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित गांधी सभागार में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।प्रशिक्षण में मतदान कार्मिकों के डाटा को प्रपत्र-2 एवं प्रपत्र-3 पर ऑनलाइन फीड किए जाने तथा Election Personne' ऊीस्र'ङ्गटोल्ल३ र८२३ी (एढऊर) पोर्टल के संचालन एवं डाटा फीडिंग की प्रक्रिया के संबंध में संबंधित अधिकारियों एवं कम्प्यूटर ऑपरेटरों को विस्तृत जानकारी दी गई। अधिकारियों को निर्वाचन संबंधी डाटा निर्धारित प्रारूप में सही एवं समयबद्ध तरीके से ऑनलाइन फीड करने की प्रक्रिया समझाई गई, ताकि आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 की तैयारियां सुचारू रूप से संपन्न हो सकें। मुख्य विकास अधिकारी ने समस्त नोडल अधिकारियों, जनपद स्तरीय अधिकारियों एवं कार्यालयाध्यक्षों को निर्देशित किया कि वे अपने विभाग से संबंधित मतदान कार्मिकों का डाटा निर्धारित प्रपत्रों में पूर्ण शुद्धता के साथ उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें तथा डाटा फीडिंग कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतें। प्रशिक्षण में संबंधित अधिकारियों को अपने कम्प्यूटर ऑपरेटरों के साथ प्रतिभाग कर निर्वाचन संबंधी कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही जिन विभागों द्वारा प्रपत्र-1 की सूचना अभी तक एनआईसी को उपलब्ध नहीं कराई गई है, उन्हें तत्काल सूचना उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए, जिससे मतदान कार्मिकों के डाटा संकलन एवं निर्वाचन संबंधी अग्रिम तैयारियों में किसी प्रकार का विलंब न हो। उक्त प्रशिक्षण जिला सूचना विज्ञान अधिकारी सात्विक शुक्ला द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर जनपद स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी तथा एनआईसी के कर्मचारी अनस जमाल, संजीव कुमार एवं दिवाकर, राजू उपस्थित रहे।

संविधान दिवस पर DDPS स्कूल में गूंजा संविधान का संदेश

बिजनौर में 2500 छात्र-छात्राओं ने ली संविधान की शपथ, जिला जज समेत न्यायिक व प्रशासनिक अधिकारी रहे मौजूद





बिजनौर (सब का सपना):- संविधान दिवस के अवसर पर गुरुवार को बैराज रोड स्थित दयावती धर्मवीरा पब्लिक स्कूल (DDPS) में एक स्वर, एक संविधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में करीब 2500 छात्र-छात्राओं ने संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठन कर संविधान के मूल्यों और आदर्शों को अपनाने की शपथ ली। इस अवसर पर जिला जज सहित जनपद के न्यायिक अधिकारी, एएसपी ग्रामीण और एडीएम समेत जिला प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों की मौजूदगी में विद्यार्थियों ने एक स्वर में संविधान की प्रस्तावना का पाठ किया।कार्यक्रम में DDPS इंटर कॉलेज, आरजेपी विद्यालय, केपीएस विद्यालय, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज और राजकीय इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संविधान के प्रति जागरूक करना तथा न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता के मूल्यों का महत्व समझाना रहा।एक स्वर, एक संविधान के संदेश के साथ DDPS स्कूल में संविधान दिवस का आयोजन संपन्न हुआ।

डीसीएम ने खड़े थ्री व्हीलर में मारी टक्कर, 11 लोग घायल

नगीना फोरलेन पर गुलमोहर और तिबड़ी के बीच हुआ हादसा, तीन घायलों को जिला अस्पताल किया रेफर, चालक डीसीएम छोड़कर फरार



नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- नगीना फोरलेन पर तेज गति से आ रहे एक अनियंत्रित डीसीएम ने सड़क किनारे खड़े थ्री व्हीलर में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि डीसीएम थ्री व्हीलर को टक्कर मारने के बाद पलट गया। हादसे में थ्री व्हीलर में सवार 11 महिला और पुरुष गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को अलग-अलग एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। आठ घायलों को नगीना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद तीन की गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना के बाद घायलों के परिजनों में कोहराम मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बृहस्पतिवार को धामपुर थाना क्षेत्र के ग्राम तिबड़ी निवासी इकरार अहमद (70) अपने परिजनों और रिश्तेदारों के साथ थ्री व्हीलर में सवार होकर नगीना थाना क्षेत्र के ग्राम जमालपुर जा रहे थे। जब उनका थ्री व्हीलर नगीना फोरलेन पर गुलमोहर और तिबड़ी के बीच पहुंचा तो चालक सैफ अली (26) ने रास्ता पूछने के लिए वाहन सड़क किनारे खड़ा कर दिया। इसी दौरान पीछे से तेज गति से आ रहे डीसीएम चालक ने अपना वाहन अनियंत्रित होकर खड़े थ्री व्हीलर में टक्कर मार दी। टक्कर के बाद डीसीएम भी सड़क पर पलट गया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोग घटनास्थल पर एकत्र हो गए और उन्होंने कड़ी मशक्कत के बाद थ्री व्हीलर में फंसे घायलों को बाहर निकाला। सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस और टोल प्लाजा की एंबुलेंस से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। घायल इकरार अहमद (70), खुशीदां (60), जैतून (60), बिलकिस (65), नजमा (50), सैफ अली (26), शाहनवाज (22) और जबरी (50) को नगीना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। यहां चिकित्सा प्रभारी अधिकारी डॉ. विशाल दिवाकर ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया। इनमें कासिम, फरजाना और अब्दुल्ला की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया, जबकि अन्य घायलों को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। वहीं शाहिदा, साबरी और जरीना को घटनास्थल से ही उपचार के लिए धामपुर ले जाया गया। परिजनों के अनुसार, इन तीनों की हालत भी उपचार के बाद ठीक बताई गई है। उधर, हादसे के बाद डीसीएम चालक वाहन को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। घटना से घायलों के परिवारों में चीख-पुकार मची हुई है। समाचार लिखे जाने तक घायलों के परिजनों की ओर से पुलिस को कोई तहरीर नहीं दी गई थी।

बैंक सखियों को सता रही भविष्य की चिंता, सेवा समाप्ति की आशंका से सहमीं

पांच साल पूरे होने पर हटाकर नई नियुक्ति करने के संदेश से आक्रोश, बीडीओ को सौंपा ज्ञापन



बिजनौर (सब का सपना):- विकास खंड बुढ़नपुर स्योहारा क्षेत्र में तैनात बैंक सखियों के सामने अब अपने भविष्य और रोजगार को लेकर संकट खड़ा हो गया है। पांच साल का कार्यकाल पूरा होने का हवाला देकर उन्हें हटाने और नई बैंक सखियों की नियुक्ति किए जाने की सूचना से नाराज महिलाओं ने खंड विकास अधिकारी को एक ज्ञापन सौंपकर अपनी समस्या के समाधान की गुहार लगाई है। बीडीओ बुढ़नपुर स्योहारा को दिए गए प्रार्थना पत्र में बैंक सखियों ने बताया कि वे वर्ष 2019 से पूरी निष्ठा के साथ बैंक सखी के पद पर कार्य कर रही हैं। उनका आरोप है कि जिले स्तर से हर साल व्हाट्सएप ग्रुप पर एक पत्र डाल दिया जाता है, जिसमें कहा जाता है कि जिन बैंक सखियों को पांच वर्ष पूरे हो गए हैं, उन्हें हटाकर उनके स्थान पर नई बैंक सखियों की नियुक्ति की जाएगी। बैंक सखियों का कहना है कि जब वर्ष 2019 में उनका चयन और प्रशिक्षण हुआ था, तब इस तरह की किसी भी नीति या पांच साल की समय-सीमा के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई थी। अब बार-बार नई भर्ती की बात कहकर उन्हें मानसिक रूप से परेशान किया जा रहा है,
जिससे उनके सामने आजीविका का संकट पैदा हो गया है। उन्होंने बीडीओ से इस मामले में हस्तक्षेप कर उनकी सेवाएं जारी रखने और समस्या का उचित समाधान करने की मांग की है। ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से मुनेश, सरस्वती, पवन कुमारी, मीनू, दीपा चौहान, रेनू रानी, लता, अंजू, रूपा, सविता, आशा, लवली रानी, हिरदेश, मोनिका, सुधा देवी और रेखा रानी आदि बैंक सखियां शामिल रहीं।

जिलाधिकारी ने चुचैला कलां के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में स्थापित मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण



अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने आज विकासखंड धनौरा के ग्राम चुचैला कलां स्थित प्राथमिक विद्यालय चुचैला कलां-2 एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय पहुंचकर वहां स्थापित मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मतदाता पंजीकरण की स्थिति का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शत-प्रतिशत पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय चुचैला कलां-2 में बूथ संख्या 286, 287 एवं 288 का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम प्रधान एवं राशन कोटेदारों से गांव के ऐसे पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए जागरूक करने की अपेक्षा की, जिनका अभी तक मतदाता सूची में नाम शामिल नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि राशन वितरण के दौरान भी लोगों को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के प्रति जागरूक किया जाए, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति मतदाता बनने से वंचित न रहे। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने उच्च प्राथमिक विद्यालय चुचैला कलां पहुंचकर बूथ संख्या 289, 290 एवं 291 का निरीक्षण किया। उन्होंने वहां मौजूद अध्यापिका से घर-घर जाकर लोगों को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए जागरूक करने को कहा। साथ ही प्रतिदिन 5 से 6 पात्र व्यक्तियों का नए मतदाता के रूप में पंजीकरण कराने का प्रयास करने की अपेक्षा की। जिलाधिकारी ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज होना आवश्यक है। इसके लिए सभी संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी आपसी समन्वय से अभियान चलाकर अधिक से अधिक पात्र नागरिकों का पंजीकरण सुनिश्चित कराएं, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति अपने मताधिकार से वंचित न रहे। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी शैलेश दुबे सहित विद्यालय प्रबंधन के लोग उपस्थित रहे।

दहेज हत्या के मामले में दूसरा आरोपी इरफान गिरफ्तार, पहले पति जा चुका है जेल

स्योहारा पुलिस ने मंगलखेड़ा रोड कब्रिस्तान के पास से दबोचा, दहेज प्रताड़ना और हत्या के मामले में चल रही थी तलाश



स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के थाना स्योहारा पुलिस ने दहेज हत्या के मामले में वांछित चल रहे दूसरे आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी को मंगलखेड़ा रोड स्थित कब्रिस्तान के पास से गिरफ्तार किया। मामले में मृतका के पति को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।
पुलिस प्रेस नोट के अनुसार, बीती 6 नवंबर 2026 को थाना कांठ, जनपद मुरादाबाद के मोहल्ला पट्टीवाला निवासी साविया पत्नी सललू ने थाना स्योहारा में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि उनकी पुत्री को उसका पति आसिफ अहमद पुत्र पीर मोहम्मद उर्फ पीरू, देवर इरफान तथा ननद शबनम निवासी ग्राम अकबरपुर आशा उर्फ हरौली, थाना स्योहारा दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित करते थे। आरोप है कि इसी प्रताड़ना के चलते उनकी पुत्री को जहर खिलाकर और गला दबाकर हत्या कर दी गई। तहरीर के आधार पर थाना स्योहारा में मुकदमा अपराध संख्या 417/2026 धारा 85, 80(2), 92 बीएनएस एवं 3/4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की गई थी। पुलिस ने इस मामले में आरोपी पति आसिफ अहमद उर्फ पीरू को 7 नवंबर 2026 को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

जिलाधिकारी ने भारतीय संविधान में उल्लिखित संकल्प की दिलाई शपथ



अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ की अध्यक्षता में कलेक्टेज्ट सभागार में संविधान दिवस-2026 के अवसर पर भारतीय संविधान में उल्लिखित संकल्प की उपस्थित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को शपथ दिलाते हुये कहा कि *हम भारत के लोग, भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-सम्पन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिको को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढाने के लिए दृढसंकल्प होकर एतद्वारा भारत के संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते है। जिलाधिकारी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए आहवान किया कि कानून सबके लिए समान होता है यह हमें संविधान से ही ज्ञात होता है हमें निरंतर प्रयास करना चाहिए कि सभी को साथ न्याय मिले समाज के लोगों को यही उम्मीद रहती है कि किसी भी प्रकार का उनके साथ दुर्व्यवहार व अन्याय ना हो सके। उन्होनें कहा कि हमें भारत के संविधान में दिए गए मूल कर्तव्यों का पालन करना चाहिए और देश में संप्रभुता, अखण्डता की रक्षा करनी चाहिए। उन्होनें कहा कि दुनिया भर के तमाम संविधानों को बारीकी से देखने-परखने के बाद डॉ. अंबेडकर ने भारतीय संविधान का मसौदा तैयार कर कर 26 नवंबर 1949 को इसे भारतीय संविधान सभा के समक्ष लाया गया। इसी दिन संविधान सभा ने इसे अपना लिया। यही वजह है कि देश में हर साल 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है। जिलाधिकारी ने कहा कि जैसे परिवार के हित के लिये घर का मुखिया फैसला लेता है वैसे ही भारत के भविष्य, उन्नति की राह हमारा संविधान दिखाता है। हमारा संविधान विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान है, जिसमें प्रत्येक नागरिक के कर्तव्य, अधिकार का वर्णन है। विभिन्न धर्म, जाति, संस्कृति आदि को ध्यान में रखकर सभी के अधिकार निहित है। हमारे संविधान 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने के उपरान्त वोट देने का अधिकार मिलता है। हमारे संविधान में महिलाओं के अधिकार पूर्ण निहित हैं। उन्होने कहा कि देश हित में संविधान में संशोधन होते रहते है। हमारे संविधान में जो अधिकार हमे प्राप्त है उनके द्वारा देश के विकास के लिये कार्य करें। इसे तैयार करने में 2 साल, 11 महीने और 8 दिन लग गए थे। जिलाधिकारी ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संविधान के हर पहलू का महत्व रखते हुए बनाया गया है संविधान के मौलिक अधिकारों कर्तव्यों आदि के बारे में विस्तार से चर्चा किया कि हमें संविधान में जो भी मौलिक अधिकार दिए गए हैं उनके अपने जीवन में पालन करना चाहिए और जो भी मौलिक कर्तव्य संविधान में दिए गए हैं उनका पालन व संरक्षण अवश्य करना चाहिए संविधान में दिए गए मौलिक कर्तव्य और मौलिक अधिकार व्यक्ति को एक आदर्श जीवन व्यतीत करने का मार्ग प्रशस्त करते हैं।
जिलाधिकारी ने कहा कि गुरुवार के दिन 26 नवंबर 1949 को हमारा संविधान बनकर तैयार हुआ था। भारत का संविधान ही वह शक्ति है जिसने देश की विविधता को एकता में समाहित किया है। हम सब मिलकर संकल्प लें कि इस संविधान का पालन करते हुए देश की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण बनाये रखने का सदैव प्रयास करते रहेंगे। इस अवसर पर अपर उप जिलाधिकारी व कलेक्टेट परिसर के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अवैध तमंचा और जिंदा कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार, लाल रंग की टाटा अल्ट्रोज कार भी बरामद

स्योहारा पुलिस ने चेकिंग के दौरान की कार्रवाई, आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज





स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के थाना स्योहारा पुलिस ने अवैध हथियार रखने के मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 32 बोर का एक अवैध तमंचा, एक जिंदा कारतूस तथा घटना में प्रयुक्त लाल रंग की टाटा अल्ट्रोज कार बरामद की है। पुलिस के अनुसार 25/26 नवंबर 2026 की रात थाना स्योहारा पुलिस को मुखबिर खास से सूचना मिली कि फव्वारा चौक से ठाकुरद्वारा मार्ग पर एक लाल रंग की टाटा अल्ट्रोज कार खड़ी है, जिसमें सवार व्यक्ति के पास अवैध शस्त्र और कारतूस मौजूद हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और संदिग्ध व्यक्ति की तलाशी ली। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम अभिषेक पुत्र बिशम्बर निवासी ग्राम रामनगर, थाना अफजलगढ़, जनपद बिजनौर बताया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक 32 बोर का तमंचा और एक जिंदा कारतूस 32 बोर बरामद हुआ। पुलिस ने मौके से लाल रंग की टाटा अल्ट्रोज कार संख्या UP20CW5791 भी कब्जे में ले ली। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना स्योहारा में मुकदमा अपराध संख्या 440/2026, धारा 3/25 आयुध अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है, जहां से अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक कृष्ण कुमार, कांस्टेबल सुमित कुमार तथा कांस्टेबल फैयाज शामिल रहे।

युवती से छेड़खानी के आरोप में युवक की चप्पलों से पिटाई, जमकर चले हाथ

धामपुर में गर्ल्स इंटर कॉलेज के पास शुभम मंडप के सामने हुआ हंगामा, महिलाओं और युवकों ने की मारपीट, घटना का वीडियो वायरल

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के धामपुर थाना क्षेत्र में गर्ल्स इंटर कॉलेज के पास शुभम मंडप के सामने उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब एक युवक पर युवती के साथ छेड़खानी करने का आरोप लगा। आरोप से नाराज महिलाओं ने युवक को घेर लिया और चप्पलों से उसकी जमकर पिटाई कर दी।
इस दौरान मौके पर मौजूद दो युवकों ने भी युवक के साथ मारपीट की। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार छेड़खानी को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते मारपीट में बदल गया। महिलाओं ने युवक पर चप्पलों से हमला किया, जबकि अन्य युवकों ने भी उसके साथ हाथापाई की। अचानक हुई इस घटना से मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटनास्थल के वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें महिलाओं और युवकों के बीच युवक के साथ मारपीट और हंगामा होता दिखाई दे रहा है।
घटना को लेकर क्षेत्र में चचाओं का बाजार गर्म है। हालांकि मामले में पुलिस की कार्रवाई और दोनों पक्षों की ओर से दी गई तहरीर के संबंध में अभी जानकारी सामने नहीं आई है।

गैंगस्टर एक्ट पर डीएम-एसपी सख्त, अपराध से अर्जित संपत्ति होगी जब्त

कलेक्ट्रेट में हुई समीक्षा बैठक, लंबित प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश





फतेहपुर (सब का सपना):- जनपद में अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए जिला प्रशासन व पुलिस एक साथ एक्शन मोड में आ गई है। कलेक्ट्रेट स्थित गांधी सभागार में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स और पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक की अध्यक्षता में गैंगस्टर अधिनियम के तहत लंबित एवं प्रस्तावित कार्यवाहियों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि गैंगस्टर के किसी भी प्रकरण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रत्येक प्रकरण में समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण विवेचना हो, साक्ष्य संकलन मजबूत हो और अभियोजन प्रभावी हो, ताकि अपराधी किसी भी कीमत पर सजा से बच न सकें। बैठक का सबसे महत्वपूर्ण बिंदु गैंगस्टर अधिनियम की धारा 14(1) के तहत अपराध से अर्जित संपत्तियों का जब्तीकरण रहा। डीएम व एसपी ने निर्देश दिए कि अपराध से बनाई गई संपत्तियों को चिन्हित कर नियमानुसार जब्त करने की कार्रवाई में तेजी लाई जाए। इससे अपराधियों की आर्थिक कमर टूटेगी और अपराध पर अंकुश लगेगा। अधिकारियों को दिए गए निर्देश में कहा गया कि लंबित गैंगस्टर प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण किया जाए। विवेचना में गुणवत्ता और साक्ष्य संकलन पर विशेष ध्यान दिया जाए। अभियोजन की प्रगति की नियमित समीक्षा हो। संपत्ति जब्तीकरण के प्रस्ताव समय से भेजे जाएं। अपराधियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक, समस्त क्षेत्राधिकारी, अभियोजन कार्यालय के अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। जनपद में इस बैठक को अपराधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई का संकेत माना जा रहा है। आने वाले दिनों में गैंगस्टर एक्ट के तहत कई और बड़ी कार्यवाहियां देखने को मिल सकती हैं।

77वें संविधान दिवस पर 53500 छात्रों ने किया प्रस्तावना का सामूहिक वाचन, एक स्वर, एक संविधान थीम पर हुआ आयोजन

महर्षि विद्या मंदिर में हुआ मुख्य कार्यक्रम, जनपद न्यायाधीश ने दिलाई शपथ, उत्कृष्ट छात्रों को मिला सम्मान





फतेहपुर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निदेशानुसार एवं जनपद न्यायाधीश सुधीर कुमार की अध्यक्षता में भारत के 77वें संविधान दिवस के ऐतिहासिक अवसर पर दिनांक 26 नवंबर 2026 को "एक स्वर, एक संविधान" थीम के तहत एक विशेष जागरूकता एवं शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन महर्षि विद्या मन्दिर सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल फतेहपुर में किया गया। कार्यक्रम में 2125 बच्चों के अतिरिक्त न्यायिक अधिकारीगण, विद्यालय के प्रधानाचार्य, नोडल अध्यापक एवं अन्य अध्यापकगण उपस्थित रहे। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, फतेहपुर पलाश गांगुली द्वारा संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन कराया गया। प्रस्तावना वाचन के उपरान्त कार्यक्रम में उपस्थित सभी बच्चों को संविधान दिवस के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई तथा यह भी बताया गया कि इसका उद्देश्य नागरिकों को भारतीय संविधान के मूल्यों, मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना तथा राष्ट्र की एकता को सुदृढ़ करना है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनपद न्यायाधीश सुधीर कुमार ने कहा कि भारतीय संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि हमारे लोकतंत्र की आत्मा है। "एक स्वर, एक संविधान" का संदेश हमें याद दिलाता है कि विविधताओं से भरे हमारे देश में संविधान ही वह सूत्र है जो हम सभी को समान अधिकार और न्याय प्रदान करता है। कार्यक्रम के उपरान्त जनपद के विभिन्न विद्यालयों द्वारा छात्रों के मध्य प्रश्नोत्तरी, चित्रकला एवं अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के छात्रों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। महर्षि विद्या मन्दिर सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल फतेहपुर में 2125 छात्रों द्वारा एवं जनपद के अन्य विभिन्न विद्यालयों में 51375 छात्रों द्वारा कुल 53500 छात्रों द्वारा संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया गया तथा वर्तमान में जनपद के 180 विद्यालयों में लीगल लिटरेसी क्लब स्थापित है जो कार्यरत है। कार्यक्रम के अंत में सभी वक्ताओं ने संविधान के आदर्शों को जीवन में उतारने का आह्वान किया।

लैब विद्यालयों में डीएलएड प्रशिक्षुओं के शिक्षण कार्य का किया गया अनुश्रवण



फतेहपुर (सब का सपना):- जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट), फतेहपुर के निदेशों के क्रम में प्रवक्ता अतुल कुमार ने चयनित प्रयोगशाला (लैब) विद्यालयों का भ्रमण कर डीएलएड सत्र 2025 के प्रशिक्षुओं की शैक्षणिक गतिविधियों का अवलोकन किया। इस दौरान विद्यालयों में रोस्टर के अनुसार कार्यरत प्रशिक्षुओं के शिक्षण कार्य, कक्षा संचालन और विद्यालयी सहभागिता का जायजा लिया गया। भ्रमण का उद्देश्य प्रशिक्षुओं को प्रभावी शिक्षण का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना तथा उनके शिक्षण कौशल को और अधिक सुदृढ़ बनाना रहा। प्रवक्ता अतुल कुमार ने प्रशिक्षुओं द्वारा किए जा रहे शिक्षण कार्यों का निरीक्षण करते हुए उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया, ताकि वे विद्यालयों में बेहतर शिक्षण वातावरण तैयार कर सकें। इस दौरान आगामी दिसंबर माह में आयोजित होने वाले निपुण आकलन की तैयारियों पर भी विशेष ध्यान दिया गया। सभी प्रशिक्षुओं को निपुण प्लस ऐप डाउनलोड कराया गया तथा ऐप के माध्यम से बच्चों का निपुण आकलन करने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। प्रशिक्षुओं को बताया गया कि निपुण प्लस ऐप के जरिए बच्चों के शैक्षणिक स्तर का आकलन किस प्रकार किया जाना है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भविष्य में जब प्रशिक्षु विद्यालयों में जाकर बच्चों का आकलन करें तो उन्हें तकनीकी अथवा प्रक्रिया संबंधी किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। डायट फतेहपुर की इस पहल से प्रशिक्षुओं को वास्तविक विद्यालयी परिस्थितियों में शिक्षण एवं आकलन का अनुभव प्राप्त करने में मदद मिलेगी, जिससे उनकी शैक्षणिक दक्षता और कार्यकुशलता में सुधार होगा।

फतेहपुर में संविधान दिवस पर विचार गोष्ठी, मेधावी छात्रों का हुआ सम्मान



फतेहपुर (सब का सपना):- जिले में डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर विकास समिति के तत्वावधान में गुरुवार को कलेक्ट्रेट स्थित डॉ. अंबेडकर पार्क में संविधान दिवस उत्सव, विचार गोष्ठी एवं मेधा अलंकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी कार्यक्रम में शामिल हुए। नगरपालिका अध्यक्ष राजकुमार मौर्य सहित समिति के पदाधिकारियों ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर गोष्ठी में भाग लिया। गोष्ठी में वक्ताओं सहित संरक्षक जियालाल गौतम,अध्यक्ष गया प्रशाद और सरदार शोध संस्थान के जनरल सेकेट्री चंद्रभान सिंह ने कहा कि 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने देश के शासन और सर्वांगीण विकास के लिए संविधान दिया, जिसे 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया। संविधान सभा में 299 सदस्य और 16 समितियां थीं। प्रारूप समिति के अध्यक्ष भारत रत्न डॉ. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर थे, जिनके नेतृत्व में तैयार संविधान संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद को सौंपा गया।वंही चंद्रभान सिंह ने कहा की जब संविधान लागू हुआ था तो सभी धर्मों की मान्यताओं को छोड़कर संविधान मानने की शपथ ली गई थी। लेकिन वर्तमान सरकार दिखावे लिए कार्य कर रही है भीतर से संविधान को खत्म करने का सडयंत्र कर रही है। कार्यक्रम में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट में 85 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले मेधावी छात्रों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि संविधान में स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, न्याय, व्यक्ति की गरिमा तथा देश की एकता एवं अखंडता का संकल्प है। समिति के संरक्षक जिया लाल, सेवानिवृत्त बैंक अधिकारी ने कहा कि यदि सरकारें ईमानदारी से संवैधानिक नैतिकता का पालन करें तो देश प्रगति के पथ पर आगे बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक पार्टियां संविधान के अनुसार पूरी ईमानदारी से नहीं चल रही हैं।

खागा पुलिस ने गोवध निवारण अधिनियम के मुकदमे में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया



फतेहपुर (सब का सपना):- जनपद के खागा थाना पुलिस ने गोवध निवारण अधिनियम के मुकदमे में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को 26 नवंबर की रात अमांव हाईवे ओवरब्रिज के नीचे से गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से एक सैमसंग मोबाइल फोन और 700 रुपये नकद बरामद हुए हैं। पुलिस के अनुसार, पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी खागा के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई की। गिरफ्तार आरोपी की पहचान इस्तेयाक अहमद उर्फ लाला (42) पुत्र आफाक अहमद, निवासी ग्राम खैरई, थाना खागा, फतेहपुर के रूप में हुई है। वह मुकदमा संख्या 345/26, धारा 3/5/8 उत्तर प्रदेश गोवध निवारण अधिनियम में वांछित था। खागा पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी गोवध निवारण अधिनियम, आयुध अधिनियम और एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर न्यायालय में पेश करने के लिए रवाना किया गया। वहीं गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक विनोद कुमार सिंह, कांस्टेबल वरुण यादव और कांस्टेबल राजेश सिंह की प्रमुख भूमिका रही।

विदाई एवं अभिनंदन समारोह का भव्य आयोजन



फतेहपुर (सब का सपना):- ब्लॉक खजुहा में गुरुवार को दोपहर 1 बजे महावीरा पैलेस में विदाई एवं अभिनंदन समारोह का भव्य आयोजन किया गया।समारोह के मुख्य अतिथि बिंदकी विधायक एवं पूर्व कारागार मंत्री जयकुमार सिंह "जैकी" रहे। कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी खजुहा मनींद्र कुमार एवं खजुहा के पूर्व खंड शिक्षा अधिकारी पवन कुमार द्विवेदी का विदाई एवं अभिनंदन किया गया।कार्यक्रम का आयोजन प्राथमिक शिक्षक संघ एवं जूनियर शिक्षक संघ, ब्लॉक खजुहा द्वारा किया गया। इसमें ब्लॉक के समस्त शिक्षक, शिक्षिकाएं, शिक्षामित्र, कार्यालय सहायक एवं अनुचर शामिल हुए। समारोह में सैकड़ों शिक्षकों की गरिमामयी उपस्थिति ही सबसे बड़ा सम्मान रही। इस अवसर पर खजुहा अध्यक्ष बलराम सिंह, संतोष पटेल, शैलेन्द्र सिंह भदौरिया, दिग्विजय सिंह, फूलचन्द्र, संजय उत्तम, नीरज शुक्ला, श्याम सुंदर अवस्थी, अमरपाल, विजय तिवारी, विजय नरायण, निर्मला सिंह भदौरिया, सुमन पांडेय, वीना, रुचि समेत सैकड़ों शिक्षक उपस्थित रहे।

प्रदूषण पर निगम सख्त, एक महीने में किए 353 चालान

एजेंसी

मानेसर। मानेसर में बढ़ते प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए नगर निगम की ओर से लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसके तहत शहर में विशेष अभियान चलाकर सड़कों पर पानी का छिड़काव कराया जा रहा है। वहीं, पेड़ों पर जमा धूल को एंटी स्मॉग गन की मदद से साफ किया जा रहा है। इसके अलावा सेक्टरों की सड़कों के किनारे जमा मिट्टी को भी हटाया जा रहा है, ताकि वाहनों की आवाजाही के दौरान धूल न उड़े और लोगों को प्रदूषण से कुछ राहत मिल सके। नगर निगम की ओर से ग्रेप नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भी सख्ती बरती जा रही है। निगम के अनुसार, पिछले एक महीने में ग्रेप नियमों की अवहेलना करने वालों के 353 चालान किए गए हैं। इन पर करीब 80 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। निगम की टीमें अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर प्रदूषण फैलाने वालों की जांच कर रही हैं। जहां भी नियमों का उल्लंघन मिलता है, वहां मौके पर चालान किया जा रहा है।

न्यायिक कार्य से दूर रहेंगे वकील

एजेंसी

गुरुग्राम। जिला बार एसोसिएशन, गुरुग्राम ने बृहस्पतिवार 26 नवंबर को न्यायिक कार्य निलंबित करने की घोषणा की है। यह निर्णय नारनौल बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष मनजीत कुमार और पूर्व सचिव सुमित चौधरी के खिलाफ अवमानना कार्रवाई के विरोध में है। गुरुग्राम एसोसिएशन ने बार एसोसिएशनों की स्वायत्तता के समर्थन में यह कदम उठाया है।

दादा भैया तालाब का 2 करोड़ में होगा जीर्णोद्धार

एजेंसी

मानेसर। नगर निगम मानेसर वार्ड नंबर-12 के गांव मानेसर स्थित दादा भैया तालाब का विकास और जीर्णोद्धार कराएगा। इस कार्य पर करीब दो करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। यह योजना पुराने तालाब की मरम्मत कर उसे नया रूप देगी। इसका उद्देश्य गांव के पुराने जलस्रोत को बचाना और पानी जमा करने की बेहतर व्यवस्था करना है। गांव मानेसर में भूजल स्तर लगातार गिरने से ग्रामीणों को पानी की समस्या हो रही है। तालाब के जीर्णोद्धार से बारिश का पानी जमा होगा, जिससे भूजल स्तर बढ़ने में मदद मिलेगी। निगम जल्द ही टेंडर प्रक्रिया पूरी कर निर्माण कार्य शुरू करेगा। इस परियोजना से ग्रामीणों को घूमने और बैठने के लिए बेहतर जगह मिलेगी। इससे बुजुर्गों और बच्चों को खाली समय बिताने का अच्छा स्थान मिलेगा। गांव मानेसर के दादा भैया तालाब का करीब दो करोड़ रुपये की लागत से जीर्णोद्धार कराया जाएगा। इसके लिए जल्द ही टेंडर प्रक्रिया पूरी कर काम शुरू किया जाएगा। तालाब के विकसित होने से बारिश का पानी जमा हो सकेगा और जमीन के नीचे पानी का स्तर बढ़ाने में मदद मिलेगी।

सफाई और विकास कार्यों में आरडब्ल्यूए की भागीदारी की मांग

एजेंसी



गुरुग्राम। शहर की बुनियादी सफाई व्यवस्था और नागरिक सुविधाओं में सुधार लाने के उद्देश्य से यूनाइटेड गुरुग्राम आरडब्ल्यूए (यूजीआर) ने निगम आयुक्त डॉ. पंकज को पत्र सौंपकर विकास कार्यों में आरडब्ल्यूए की सीधी भागीदारी सुनिश्चित करने की मांग की है। बुधवार को यूजीआर के संयोजक प्रवीण यादव और सह-संयोजक चैताली मंदोत्रा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने निगम आयुक्त से मुलाकात की। यूजीआर पदाधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री के समक्ष रखे गए पांच प्रमुख नीतिगत मुद्दों पर निगमायुक्त के साथ सार्थक चर्चा हुई और उन्होंने सकारात्मक रुख दिखाया है। पत्र में मांग की गई है कि किसी भी क्षेत्र में विकास कार्यों के एस्टीमेट स्थानीय आरडब्ल्यूए के परामर्श से आवश्यकता के अनुरूप तैयार किए जाएं। साथ ही, वर्क ऑर्डर की प्रति संबंधित आरडब्ल्यूए को देने और इसे एमसीजी पोर्टल पर सार्वजनिक करने की मांग की गई है। यूजीआर का आरोप है कि वर्क ऑर्डर सार्वजनिक न होने के कारण ठेकेदार टेंडर की 10 प्रतिशत शर्तों का भी पालन नहीं करते। संगठन ने ठेकेदारों को भुगतान से पहले आरडब्ल्यूए से संतुष्टि प्रमाण पत्र' लेने की पुरानी व्यवस्था को दोबारा लागू करने पर जोर दिया। दस फीसदी कम दर पर सफाई को तैयार आरडब्ल्यूए को मिले काम सफाई व्यवस्था को लेकर सुझाव दिया गया कि जो आरडब्ल्यूए मौजूदा ठेकेदारों से 10 प्रतिशत कम दर पर सड़कों की सफाई की जिम्मेदारी लेने को तैयार हैं, उन्हें यह कार्य सौंपा जाए। इसके लिए आरडी सिटी आरडब्ल्यूए के वर्ष 2025 के त्रिपक्षीय समझौते का उदाहरण दिया गया, जहां बेहतर सफाई के बावजूद निगम द्वारा अब तक भुगतान नहीं किया गया है। संपत्तिकर में कचरा शुल्क न जोड़ने की अपील घरों से कूड़ा एकत्रित पर यूजीआर ने दैनिक गीले व सप्ताह में दो बार सूखे कचरे के उठान, ई-कचरे के लिए प्रत्येक जोन में कम से कम तीन एजेंसियों को सूचीबद्ध करने और गांवों व अनधिकृत कॉलोनियों में बिना शुल्क की परवाह किए अनिवार्य कचरा उठान की मांग की। इसके अलावा, संपत्तिकर में कचरा संग्रहण शुल्क जोड़ने के प्रस्ताव को रद्द करने की अपील की गई है

नूंह के गांवों में शराब ठेकों के खिलाफ ग्रामीण लामबंद, डीसी को सौंपा ज्ञापन

एजेंसी



नूंह। नूंह जिले के गांव कुरथला और आलदोका में शराब के ठेकों और कथित तौर पर बढ़ती नशाखोरी को लेकर ग्रामीणों का विरोध तेज होने लगा है। दोनों गांवों के ग्रामीणों ने बुधवार को जिला उपायुक्त अखिल पिलानी को ज्ञापन सौंपकर गांवों में शराब के ठेके हटाने और नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने की मांग की। ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि स्कूल, मंदिर और गांव की फिरनी के इतने नजदीक शराब का ठेका संचालित करने की अनुमति कैसे दी गई। ग्रामीणों के अनुसार, कुरथला गांव में शराब का ठेका स्कूल, मंदिर और गांव की फिरनी से 100 मीटर से भी कम दूरी पर स्थित है। इस संबंध में पहले भी गांव में पंचायत आयोजित कर ठेके को दूसरी जगह शिफ्ट करने का निर्णय लिया गया था, लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि अब तक इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने प्रशासन से पूछा कि जब गांव के लोग एकजुट होकर ठेका हटाने की मांग कर रहे हैं तो उनकी शिकायत पर समाधान क्यों नहीं किया जा रहा। ग्रामीणों ने गांवों में शराब के ठेकों के अलावा चिट्टा, गांजा, सूखा नशा और अवैध शराब की कथित बिक्री पर भी चिंता जताई। उनका आरोप है कि गांवों में नशे का प्रभाव किशोरों तक पहुंच रहा है और 13 से 17 वर्ष तक के बच्चे भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। ग्रामीणों ने कहा कि यह उम्र बच्चों के पढ़ने-लिखने और खेलकूद में आगे बढ़ने की है, यदि तत्काल ठेका हटाना संभव नहीं है तो इसे कम से कम आबादी से दो किलोमीटर दूर स्थापित किया जाए। साथ ही आगामी आबकारी नीति में दोनों गांवों को शराब के ठेकों से मुक्त रखने का प्रावधान किया जाए। ग्रामीणों ने कथित तौर पर बिक रहे सूखे नशे और अवैध शराब के खिलाफ भी विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई करने की मांग की। जिला उपायुक्त ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि आगामी आबकारी नीति में शराब के ठेके हटाने की उनकी मांग पर विचार किया जाएगा। इसके अलावा मौजूदा आबकारी नीति के तहत भी मामले की जांच करवाकर उचित कदम उठाने की बात कही।

कंपनी को क्लेम की राशि ब्याज सहित देने के निर्देश

एजेंसी



गुरुग्राम । दस्तावेज न मिलने का झूठा बहाना बनाकर बुजुर्ग मरीज का मेडिक्लेम खारिज करना ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड और हेल्थ इंश्योरेंस टीपीए ऑफ इंडिया लिमिटेड को भारी पड़ गया है। जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग, गुरुग्राम के अध्यक्ष संजीव जिंदल तथा सदस्य ज्योति सिवाच और खुशविंदर कौर की पीठ ने बीमा कंपनी को सेवा में गंभीर लापरवाही और अनुचित व्यापार व्यवहार का दोषी करार दिया। आयोग ने पीड़ित ग्राहक को ब्याज सहित पूरा क्लेम और 41 हजार रुपये का अतिरिक्त हजार्ना देने का आदेश दिया है। गुरुग्राम के झाड़सा रोड स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी कृष्ण गोपाल ने ओरिएंटल इंश्योरेंस की बैंक साथी पॉलिसी ले रखी थी।चार लाख रुपये के सम-इंश्योर्ड वाली यह पॉलिसी 25 अगस्त 2024 से 24 अगस्त 2025 तक वैध थी, जिसके लिए उन्होंने 29 हजार 684 रुपये का प्रीमियम भरा था। पॉलिसी अवधि के दौरान यूरिन (पेशाब) संबंधी समस्या होने पर उन्हें आपातकालीन स्थिति में राजीव चौक के पास सिविल लाइंस रोड स्थित पुष्पांजलि अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्रोस्टेट ग्रंथि बढ़ने के कारण उनकी टीयूआरपी सर्जरी की गई। इलाज के बाद उन्हें 24 मार्च 2025 को छुट्टी दी गई और इस दौरान उनके 65 हजार 509 रुपये खर्च हुए। इसके बाद दोबारा वही समस्या होने पर वह 27 मार्च 2025 से 29 मार्च 2025 तक फिर से पुष्पांजलि अस्पताल में भर्ती रहे, जिसमें 37 हजार 409 रुपये का और खर्च आया। मेडिक्लेम दावा खारिज करने का मामला इलाज के बाद कृष्ण गोपाल ने 24 जून 2025 को कुल एक लाख दो हजार 918 रुपये के मेडिकल बिल, डिस्चार्ज समरी, जांच रिपोर्ट और कैंसिल चेक समेत सभी मूल दस्तावेज बीमा कंपनी में जमा कराए। 16 जुलाई 2025 को बीमा कंपनी ने पत्र भेजकर कुछ सवाल पूछे, जिनका शिकायतकर्ता ने विधिवत जवाब भी दे दिया। इसके बावजूद बीमा कंपनी टालमटोल करती रही और 17 अक्तूबर 2025 को पॉलिसी की धारा 5.6 (ई) के तहत आवश्यक दस्तावेज न मिलने का हवाला देते हुए उनका क्लेम खारिज कर दिया। आयोग में शिकायत और सुनवाई परेशान होकर पीड़ित ने 26 नवंबर 2025 को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 की धारा 35 के तहत आयोग में शिकायत दर्ज कराई। सुनवाई के दौरान नोटिस तामील होने के बावजूद टीपीए कंपनी पेश नहीं हुई, जिस पर आठ जनवरी 2026 को उनके खिलाफ एकतरफा कार्यवाही की गई, जबकि तय 45 दिनों में जवाब दाखिल न करने पर 23 फरवरी 2026 को ओरिएंटल इंश्योरेंस का बचाव अधिकार समाप्त कर दिया गया। बीमा कंपनियों को भुगतान का आदेश आयोग ने शिकायतकर्ता द्वारा पेश किए गए सभी मेडिकल बिलों, रसीदों, क्वेरी लेटर और साक्ष्यों को सही मानते हुए 18 नवंबर 2026 को अपना फैसला सुनाया। आयोग ने दोनों विपक्षी कंपनियों को संयुक्त रूप से आदेश दिया है कि वह 26 नवंबर 2025 से 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ एक लाख दो हजार 918 रुपये की क्लेम राशि का भुगतान करें। इसके अलावा मानसिक प्रताड़ना के लिए 30 हजार रुपये मुआवजा और 11 हजार रुपये मुकदमा खर्च के रूप में 45 दिनों के भीतर देने होंगे। तय समय में भुगतान न करने पर 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज लगेगा और धारा 72 के तहत सजा व जुमार्ने की कार्यवाही भी की जा सकेगी।

कैसे रहें सेहतमंद

तुम बड़े हो रहे हो, तुम्हें अपनी सेहत की चिंता है। तुम नहीं चाहते कि तुम अपनी क्लास के उस बच्चे की तरह दिखो, जिसे सब 'फैटी' कहकर पुकारते हैं। लेकिन तुम्हें समझ में नहीं आ रहा है कि ऐसा तुम क्या करो, जिससे तुम सेहतमंद भी रहो और स्मार्ट भी दिखो। संभव है कि तुम्हारे कुछ दोस्त तुम्हें डाइटिंग की सलाह देते होंगे। लेकिन डाइटिंग करना अच्छी बात नहीं है, खासकर इस बढ़ती उम्र में। इसके लिए तुम्हें कुछ ज्यादा करने की जरूरत नहीं है। संतुलित भोजन और शारीरिक गतिविधियों से तुम फिट रह सकते हो। इसके लिए तुम्हारे पास कई विकल्प हैं, चाहो तो अपनी पसंद का व्यायाम चुन लो या खेल। तुममें से कुछ को समूह में खेलना पसंद होगा तो कुछ को अकेले। इसमें अपने स्पोर्ट्स टीचर की मदद ले सकते हो। यदि तुम्हें खेलना पसंद नहीं है, तो साइकिल चला सकते हो, पार्क में टहल सकते हो। इस तरह के कई काम कर सकते हो। साथ ही, खाने में कई विकल्प हैं, लेकिन अच्छा यह होगा कि तुम संतुलित चीजें खाकर खुद को स्वस्थ रखो। चलो, हम तुम्हारी उलझन को सुलझाने में थोड़ी मदद करते हैं–

- पार्क में शाम को टहलने जाया करो, इससे तुम्हारे नये दोस्त भी बनेंगे।
- साइकिल चलाने के बहाने किसी दोस्त से मिलने उसके घर चले जाया करो। चाहो तो ट्यूशन जाने के लिए साइकिल का इस्तेमाल कर सकते हो।
- घर की सफाई में अपनी मम्मी की मदद करो, यह भी शारीरिक गतिविधि का हिस्सा है।
- तैरने में मजा आता है तो पास के किसी स्विमिंग सेंटर के सदस्य बन जाओ।
- टीवी देखने और कंप्यूटर पर गेम खेलने में कमी करो।
- रोजाना दो-तीन ताजे फल जरूर खाओ।
- दूध तो पियो ही, दही भी खाओ।
- यदि नन-वेज खाते हो तो मीट खाया करो। इसमें प्रोटीन होता है।
- नट्स में भी प्रोटीन होता है, इसलिए इसे भी खाया करो।
- तुम्हें ब्रेड बहुत पसंद है तो ब्राउन ब्रेड खाओ।
- दूध के साथ कॉर्नफ्लोर खाने से ताकत मिलती है।



याद रखो कि प्रोटीन तुम्हारी मांसपेशियों को मजबूत करते हैं। कैल्शियम हड्डियों के लिए जरूरी है। शरीर को काम करने के लिए विटामिन की जरूरत पड़ती है। फाइबर कब्ज को रोकता है। कार्बोहाइड्रेट से ऊर्जा मिलती है।

हेल्थ प्लस

डायबिटीज से दिमाग पर असर



शोधकर्ताओं का दावा है कि डायबिटीज से पीड़ित लोगों की दिमागी कार्यक्षमता पर औरों की तुलना में कहीं अधिक असर पड़ता है। ऐसे मरीज किसी बात पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने में समय लगाते हैं।

यूनिवर्सिटी ऑफ अल्बेटा के शोधकर्ताओं ने पाया है कि डायबिटीज से पीड़ित लोगों की अपेक्षा स्वस्थ लोग की मानसिक कार्यक्षमता काफी बेहतर होती है। जर्नल 'न्यूरोसाइकोलॉजी' में प्रकाशित अध्ययन के लिए 424 स्वस्थ वयस्कों और टाइप-2 डायबिटीज से पीड़ित 53 से 90 वर्ष आयु वर्ग के 41 लोगों का परीक्षण किया।

अध्ययनकर्ता रोजर डिक्सन ने कि बौद्धिक प्रतिक्रिया की गति और कार्यकारी कार्यक्षमता (मसलन ध्यान केंद्रित करना, नई सूचनाओं के साथ समस्या को हल करना और प्रश्नों के विचारशील उत्तर देना) संवेदनात्मक स्वास्थ्य के दो महत्वपूर्ण तत्व हैं, लेकिन डायबिटीज के मरीज इन दोनों ही मामलों में थोड़े कमजोर होते हैं।

डिक्सन ने बताया कि बौद्धिक क्षमता में कमी को इंसुलिन लेकर रोका जा सकता है। अब तक के शोध से साफ है कि डायबिटीज के शिकार लोगों में रक्त शर्करा का स्तर ज्यादा हो जाने से खून की नलिकाओं पर विपरीत असर पड़ सकता है। भविष्य में इससे अन्य अंग भी प्रभावित हो सकते हैं।

नींद कम तो डायबिटीज का गम

नींद को सबसे बड़ा पेन किलर कहा जाता है। यानी सोना हर दर्द का मरहम है। अगर आपको पूरी नींद आती है तो आप पूरी तरह स्वस्थ हैं। जो लोग ठीक से सो नहीं पाते उनके लिए कई खतरे पैदा हो जाते हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक पूरी नींद न ले पाने वाले लोगों में डाटबिटीज का खतरा 20 फीसद बढ़ जाता है। ऐसा एक उत्परिवर्ती (म्यूटेंट) जीन के कारण होता है, जो हमारी बॉडी क्लॉक को प्रभावित करता है।



33 हजार लोगों पर किए गए एक अन्तरराष्ट्रीय शोध के यह नतीजे 'नेचर जेनेटिक्स' जर्नल में प्रकाशित किए गए हैं। इसके मुताबिक म्यूटेंट जीन की वजह से हमारे हार्मोन नियंत्रण की प्रक्रिया बाधित होती है, साथ ही यह ब्लड शुगर को नियंत्रित करने वाले इंसुलिन के स्तर को भी प्रभावित करता है। अनुसंधानकर्ताओं के मुताबिक, 1ऐसे लोगों में टाइप-2 डायबिटीज का खतरा ज्यादा बढ़ जाता है, जो इस जीन के कारण तनाव में रहते हैं। शोध कहता है कि ऐसा 'क्लॉक जीन' की वजह से होता है, जो ब्लड शुगर के स्तर और टाइप-2 डायबिटीज से संबंधित है। लंदन के इंपीरियल कॉलेज के प्रोफेसर और इस शोध के सहायक लेखक फिलिप फ्रोग्यूल के कहा, 'पहले हुए शोधों में भी नींद से जुड़ी परेशानियों, डिप्रेशन और मोटापे के बीच संबंध तलाशा गया था। यह दोनों ही डायबिटीज से जुड़े हैं।' उदाहरण के लिए, 'मोटे बच्चों में ठीक से न सोने की प्रवृत्ति होती है, वहीं ऐसे लोग जो सोने को समय को लेकर सक्रिय नहीं होते उनमें मोटापा बढ़ने लगता है।' नया शोध बताता है कि 'एक निश्चित चक्र' आई परेशानियां डायबिटीज और ब्लड शुगर के ऊंचे स्तर का कारण होती हैं। शोधकर्ताओं ने उम्मीद जताई है कि उनका शोध इस बीमारी के इलाज के नए विकल्प मुहैया कराएगा। प्रोफेसर फ्रोगल और उनके दल ने हाल में जेनेटिक म्यूटेसन से जुड़ी कई खोजें की है। इस दौरान शोधकर्ताओं ने पाया कि किसी व्यक्ति के शरीर में जितनी अधिक म्यूटेसन होगी, उसमें उतना ही अधिक डाटबिटीज का खतरा बढ़ेगा। प्रोफेसर फ्रोग्यूल के कहा, 'हम पूरी तरह से उस जीन के बारे में जानकारियां जुटाने का प्रयास कर रहे हैं, जो हाई ब्लड शुगर, डायबिटीज के लिए जिम्मेदार होता है। इसके बाद ही इस बीमारी के इलाज के नए रास्ते ढूंढे जा सकेंगे।' उनका दल ऐसा टेस्ट विकसित करने में जुटा है, जो किसी व्यक्ति में हाई ब्लड शुगर के खतरे का समय रहते पता लगा सके। जिससे उच्च स्तर पर पहुंचने से पहले ही इसे नियंत्रित किया जा सके।

डाइटिंग इम्बैलेंस है पेट बढ़ने का कारण



मोटे पेट वाले लोग हमें कहीं न कहीं नजर आ ही जाते हैं। उन्हें देखकर हमारी पहली प्रतिक्रिया होती है, 'कितना मोटा है न जाने क्या खाता है' लेकिन यह हकीकत नहीं है। पेट के मोटे होने का संबंध ज्यादा खाने से नहीं बल्कि डायटिंग इम्बैलेंस की वजह से है। पेट में गैस बनने लगती है और वह फूलने लगता है। यह लाखों लोगों की परेशानी है। इसे ब्लोटिंग कहा जाता है। यह एक तरह की आम सूजन या कसाव का अहसास होता है। पेट का निचला हिस्सा खाने के बाद भरा-भरा सा लगता है। ऐसा तब भी होता है जब हमने बहुत कम खाना खाया हो। दरअसल, ऐसा पेट में ज्यादा गैस के बनने की वजह से होता है।

खाने के प्रति अरूचि तो नहीं वजह

कई लोग ब्लोटिंग और अन्य पेट की परेशानियों का कारण खाने के प्रति अरूचि को मानते हैं। दूसरे शब्दों में तो एक विशेष भोजन को खाने के बाद होने वाली प्रतिक्रिया। हालांकि यह फूड एलर्जी से पूरी तरह भिन्न है। जो प्रत्येक 100 में से तीन लोगों को है। इसमें शरीर का इमयून सिस्टम तत्काल प्रतिक्रिया देता है। इस तरह के लोगों के टेस्ट में भी परिणाम यह निकलता है कि उन्हें डेयरी, खमीर और गेंहू सेर् रबने उत्पादों में अरूचि है। हालांकि इनमें से कई मामले पूरी तरह सही हैं। लंदन के सेंट जॉर्ज अस्पताल की प्रमुख डायटिशियन कैथरीन कोलिस के मुताबिक, 'हम जब भी नए तरह का भोजन लेते हैं हमारा इमयून सिस्टम आईजीजी एंटीबॉडीज का निर्माण करता है। जो इस बात का प्रमाण है कि यह पदार्थ नुकसानदेह नहीं है। इसे जांचने का सबसे बेहतर तरीका यह है कि यदि आपको किसी चीज में अरूचि हैं तो अपनी डाइट का विस्तार से विश्लेषण करें।'

क्या हैं सूजन के कारण

अनगिनत शोधों से यह बात निकल सामने आई है कि हमारे पेट में कई मददगार वैक्टीरिया और खमीर होते हैं, जो पाचन में मददगार करते हैं और सूजन के लिए जिम्मेदार भी होते हैं। अच्छे बैक्टीरिया पेट में अन्य दूसरे बैक्टीरिया और खमीर की तरह मौजूद होता है। जब खमीर की पेट में संख्या बढ़ जाती है तो पाचन क्रिया प्रभावित होती है और गैस बनने लगती है। अगर पेट में इन मददगार बैक्टीरिया की कमी हो जाए तो खाना ठीक तरह से पच नहीं पाता। जिसकी वजह से पेट में हलचल होती है, जी मिचलाना है और गैस निकलती है।

मालिश हमेशा फायदेमंद

मालिश सिर्फ शिशु जन्म के कुछ समय बाद तक ही लाभदायक नहीं है, बल्कि बच्चे के जन्म के 18 महीने बाद तक भी मालिश बेहद जरूरी होती है। मालिश जितनी ज्यादा होगी, वह बढ़ते बच्चे के विकास के लिए उतनी ही फायदेमंद होगी। मालिश हर मौसम में की जा सकती है। गर्मियों में दो बार और सर्दियों में तीन बार मालिश करना अच्छा रहता है। मालिश शिशु की त्वचा में स्निग्धता लाने के लिए भी जरूरी है। जब वह जन्म लेता है तो उसके चेहरे और पूरे शरीर में छोटे-छोटे रोएं होते हैं जो देखने में बुरे लगते हैं। मालिश के जरिए इन्हें भी हटाया जा सकता है।

स्मोकर टीनेजर गर्ल हो जाती हैं मोटी

आधुनिक, बेफिक्र और क्लासी दिखने की चाहत टीनेजर को कुछ भी कराने पर मजबूर कर देती है। भले ही वह 'एडवांस शो-ऑफ' हो 'धुएं का छल्ला बनाने का बिंदास अंदाज।' हाईस्कूल के रेस्ट रूम में सिगरेट का धुंआ और कहकहे लगाती बेफिक्र किशोरियां। बहरहाल, बात ऐसी ही किशोरियों को आगाह करने की हो रही है। आधुनिकता की बयार में बह रही जो टीनेजर गर्ल स्मोकिंग की लत का शिकार हैं, उनमें उम्र बढ़ने के साथ-साथ मोटापे का खतरा ज्यादा बढ़ जाता है। फिनलैंड में हुए एक नए शोध के बाद यह दावा किया गया है। जो अमेरिकन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ के फरवरी अंक में प्रकाशित होगा।



ऐसी किशोरियां जो दिनभर में 10 सिगरेट सुलगा लेती हैं, इस खतरे की जद में ज्यादा होती हैं। यानी उनमें उदर का मोटापा ज्यादा पाया जाता है। ऐसी किशोरियों की कमर, स्मोकिंग न करने वाली किशोरियों से करीब डेढ़ इंच कम होती है। हालांकि शोध में यह साफ नहीं किया गया है कि क्या स्मोकिंग करने वाले किशोरों को भी ऐसी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। शोधदल ने पाया कि स्मोकिंग और मोटापा एक दूसरे से संबंधित हैं। हेलेंस्की के पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट की अनुसंधानकर्ता और शोध की प्रमुख लेखक सोमा सारनी के मुताबिक, 'हम यह पता नहीं लगा पाए कि स्मोकिंग किशोरों के वजन पर असर क्यों नहीं डालती।' यह शोध 1975 से 1979 के बीच जन्मे जुड़वाओं पर किया गया था। उनके 16वें जन्मदिन के तुरंत बाद एक प्रश्नावली दी गई। शोधकर्ताओं ने इस जुड़वाओं के 20 साल के होने पर उनसे यह डाटा जुटाया। कुल 2278 महिलाओं और 2018 पुरूषों पर यह शोध किया गया था। शोधकर्ताओं के मुताबिक स्मोकिंग और वजन वृद्धि के शिकार जुड़वों की जेनेटिक कारकों का अध्ययन किया गया। इनमें से आधे लोगों ने कभी स्मोकिंग नहीं की थी, 12 फीसद लोग पहले यह 'शौक' रखते थे। करीब 15 फीसद युवक और 9.4 फीसद युवतियां ऐसी थीं, जो एक दिन में दस सिगरेट पी जातीं थीं। बीस साल की अवस्था तक पहुंचते-पहुंचते इन लोगों ने वजन बढ़ने की शिकायत की। 24 साल की अवस्था में 24 फीसद पुरूष और 11 फीसद महिलायें आवरवेट हो गईं थीं।

ऐसी युवतियां जो ज्यादा सिगरेट पीती हैं, उनमें सामान्य की तुलना में वजन बढ़ने के चांस ढाई फीसद ज्यादा होते हैं। यह अंतर कल्चरल और बायोलॉजिकल दोनों ही तरह का हो सकता है। जहां तक बायोलॉजिकल परिवर्तनों की बात है, ऐसा संभव है कि युवक और युवतियों में तंबाकू और खास जीन के बीच क्रियायें अलग-अलग हो रही हों

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

बुद्धि व धन का दुरूपयोग न करें। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय न गंवाकर काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-2-3-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-2-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-4-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति ठीक रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पाएंगे। परामर्श आदि सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। उतावलेपन से बचे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। स्वविवेक से कार्य करे। शुभांक-1-2-7

धनु (ये यो मा मी मू धा फा ढा मे)

घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। शुभांक-1-4-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कुछ तनाव हो सकता हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-5-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। यात्रा सुखद रहेगी। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 4080

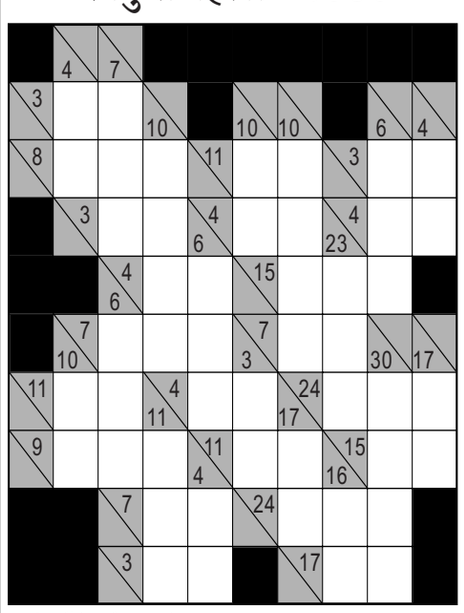

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

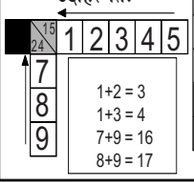

काकुरो - 4079 का हल

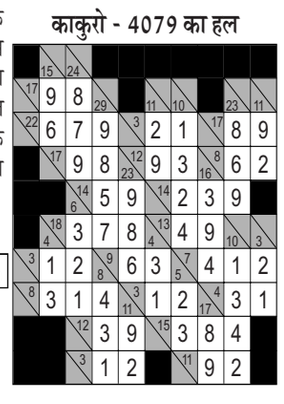

हंसी के फव्वारें

अपराधी का पहला अपराध होने के कारण न्यायाधीश ने उसे क्षमा करते हुए कहा-'हमें पूरा विश्वास है तुम कभी यहां दिखाई नहीं दोगे.'

हां हजूर, मेरी कोशिश होगी कि पुलिस मुझे न पकड़ सके और फिर कभी मैं यहां न दिखाई दूँ.

□ □ □

'अरे यह क्या ? आप कहां से आ रहे हैं ? कपड़े फटे हुए हैं. खून निकल रहा है, सिर पर चोट लगी है. चलो आपको घर पहुंचा दूं.' मित्र ने संवेदनाभरे स्वर में कहा.

नहीं, नहीं मैं घर नहीं जाऊंगा, घर से ही आ रहा हूँ, घायल ने शीघ्रतापूर्वक कहा.

□ □ □

एक यात्री ने बड़े तेज स्वर में रेलवे के स्टेशन मास्टर से शिकायत कि-चालीस मिनट हो गये, ट्रेन अभी तक नहीं पहुँची.

स्टेशन मास्टर ने कहा-घबराइये नहीं, यह टिकट चौबीस घण्टे तक चल सकता है.

□ □ □

क्या आप जानते हैं कि नाव को स्त्रीलिंग क्यों माना जाता है ?

'क्योंकि नाव हवा के साथ-साथ अपना रुख बदलती रहती है.'

□ □ □

शिक्षक: पानी पर मच्छर क्यों बैठते हैं ?

राजीव: इसलिए कि पानी उड़ न जाये.

फिल्म वर्ग पहेली- 4080

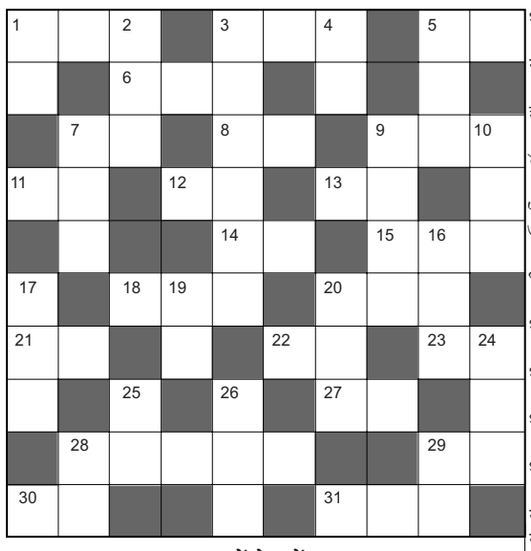

बायें से दायें:-

१. अनिल कपूर, श्रीदेवी, उर्मिला की 'हो मुझे प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मन क्यों बहका रे' गीत वाली फिल्म-३
५. जैकी, संजयदत्त, रवीना की 'याइला रे लड़की मस्त मस्त' गीत वाली फिल्म-२
६. 'छोटा बच्चा जानके' गीतवाली फिल्म-३
७. अक्षय, जैकी, सुनील, रवीना, लारा की 'कोई प्यार ना करे' गीतवाली फिल्म-२
८. फिल्म 'चलते चलते' में नायिका-२
९. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की 'जिया जले जान' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'खुल गया नसीब देखो साला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा की फिल्म-२
१२. अमिताभ, फरदीन, करीना की 'जब नहीं आये थे' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१४. बिश्वजीत, माला सिन्हा की 'अकेला हूँ मौं' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'तेरी दुनिया से दूर' गीत वाली महीपाल, श्यामा की फिल्म-३
१८. कंवलजीत, वहीदा रहमान की 'पर्वतों के पेड़ों पर' गीत वाली फिल्म-३
२०. मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. राजेशखन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२
२३. देव आनंद, माला की 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरी उमर के नौजवानों' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
२८. नसीर, आमिर, सोनाली की 'होशवलों को खबर' गीत वाली फिल्म-५
२९. 'प्रहार' में डिम्पल के साथ नायक ?-२
३०. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'मैं क्या करूं राम' गीतवाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब कोई बात बिगड़ जाये' गीत वाली विनोद खन्ना, मीनाक्षी शेशद्रि की फिल्म-२
२. संजीवकुमार, लीना चंदावरकर की 'पैसे बिना प्यार फिजूल है' गीत वाली फिल्म-३
३. 'इन आँखों की मस्ती के' गीत वाली नसीर, फारूख शेख, रेखा की फिल्म-४,२
४. राजकुमार, सुनीलदत्त, साधना, शर्मिला की 'हम जब सिमट' गीत वाली फिल्म-२
५. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
७. जैकी श्रॉफ, जूही, अमृता की 'मेरी बन्नो की' गीत वाली फिल्म-३
९. 'शाम है धुआं धुआं' गीत वाली अजय देवगन, मधु, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-४
१०. विनोद खन्ना, नीतूसिंह की 'बनके संवरके मैं निकली' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'अगर जिंदगी हो तेरे' गीत वाली अविनाश वधावन, आयशा की फिल्म-३
१७. गुरूदत्त, आशा पारेख की 'वो दिल कहाँ से लाऊं' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२०. संजीवकुमार, रेहाना सुल्तान की फिल्म-३
२४. 'छू कर मेरे मन' गीत वाली अमिताभ, अमजदखान, नीतूसिंह की फिल्म-३
२५. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली विनोद मेहरा, सायराबानो की फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की 'मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-४
२९. संजयदत्त, कुमार गौरव, पूनम की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4079

स्व	दे	श		स	ड़	क		आ	ह
र्ग		ग	हु	ल		स	र	ग	म
	बॉ	बी		मा	लि	क			जो
अ	क्स		डॉ	न			जं	ग	ली
ध	र	ती		खा	मो	शी		र्व	
र्म		स		न		बा	जी		का
	क	री	ना		प		त	ला	श
स		क		सू	र	ज		वा	
प	ड़ो	स	न		वा		बा	रि	श
ने		म		गु	ना	ह		स	

सूडोकु -4080

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4079 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

शब्द पहेली - 4080

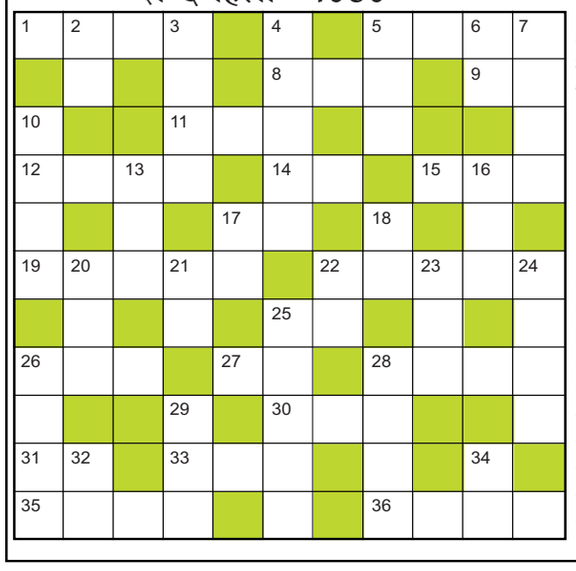

बाएँ से दाएँ

1. चिकित्सा,इलाज-4
5. पैतृक संपत्ति-4
8. बलवा,क्रांति-3
9. निम्न-2
11. सुअर,शूकर-3
12. चौबीसवें तीर्थंकर-4
14. केश-2
15. मुनाफा,अर्जित-3
17. मैदे की रोटी-2
19. मनोहर,आकर्षक-5
22. अनासक्ति,निर्विकारता-5
25. पानी,नीर-2
26. सूखा,दुष्काल-3
27. कांटा,कंटक-2
28. शांति,ध्वनिहीनता-4
30. तीक्ष्ण,तेजस्वी-3
31. लाख,गोंद-2
33. मधुक,महुआ-3
35. हृदयगति,स्पंदन-4
36. अनुक्रम,निरंतरता लयबद्ध-4

ऊपर से नीचे

2. पंख,पराया-2
3. राम का एक नाम-4
4. संरक्षक,देखरेख करने वाला,मुहाफिज-5
5. वियोग,जुदाई-3
6. गलत का विलोम-2
7. एकांतता,अकेलापन-4
10. मरियल,निर्बल-4
13. 'क्योंकि सास भी कभी बहु थी' में तुलसी इस परिवार की बहु है-3
16. मक्खन-3
17. रिश्ता-2
18. लाश-3
20. माला का मोती-3
21. यमराज-2
22. ललाट-2
23. ताप वर्धक-3
24. विदिर्ण-2.2
25. पानी का बहना-5
26. जुर्म,गुनाह-4
28. रसहीनता-4
29. प्रणाम,नमस्कार-3
32. लड़ी,श्रृंखला-2
34. दोस्त,सखा-2

शब्द पहेली -4079 का हल

	बि	ज	ली	घ	र		मा	न	सि	क
दि	ल		ड		ख	न	न		ना	रा
ल		धा	र	दा	र		क	ली		मा
दु	ला	रा			खा	स		ख	प	त
ख		धा		ना	व		ग		र	
ना	म	र	ख	ना		च	म	क	दा	र
	यू		त		स	र		ट		वा
ह	र	म		शा	म			पी	स	ना
ड़		य	श		का	रा	वा	स		हो
ता	न		प	ग	ली		न		म	ना
ल	थ	प	थ		न	ग	र	व	धु	

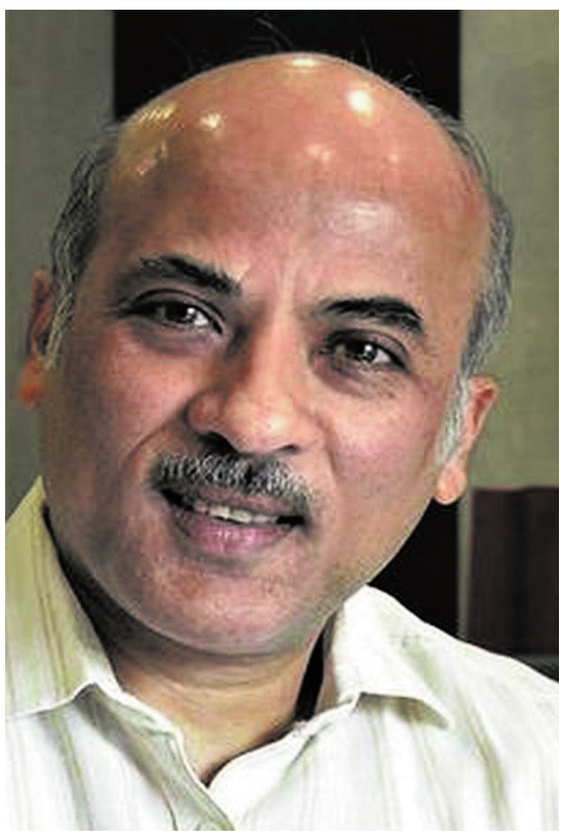

सूरज ने परिवार की बदलती तस्वीर और फैमिली एंटरटेनमेंट के भविष्य पर बात की

निर्देशक सूरज बड़जात्या एक बार फिर पारिवारिक रिश्तों की नई परिभाषा लेकर आ रहे हैं। आयुष्मान खुराना और शरवरी स्टारर उनकी नई फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' में परिवार, बदलती पीढ़ी की सोच और रिश्तों के बीच संतुलन जैसे मुद्दे दिखेंगे। सूरज ने परिवार की बदलती तस्वीर और फैमिली एंटरटेनमेंट के भविष्य पर खुलकर बात की...

आज की जेन जी परिवार से ज्यादा अपनी पहचान और पर्सनल स्पेस को महत्व देती है। आपकी फिल्म क्या कहती है?

यह बदलाव हमें स्वीकार करना पड़ेगा। हमारे समय में हम अपनी इच्छाएं माता-पिता के सामने नहीं रखते थे। उन्होंने जो कहा, वही किया। लेकिन आज के बच्चे अपनी प्राथमिकताएं बताते हैं, सवाल करते हैं और फैसलों में भागीदारी चाहते हैं। मुझे लगता है कि यह गलत नहीं है। माता-पिता के तौर पर हमें उनकी बात सुननी और समझनी चाहिए। जरूरी नहीं कि हर बार हमारा अनुभव ही सही हो। उनकी बातों के पीछे भी एक नजरिया और तर्क होता है। असल जरूरत दोनों पीढ़ियों के बीच संतुलन बनाने की है। समाज बदल रहा है तो हमारी फिल्मों को भी बदलना होगा। मेरी नई फिल्म इसी सोच पर आधारित है।

'ये प्रेम मोल लिया' में परिवार के किस पहलू को दिखाया है?

मैं इसे अपनी सबसे प्रोग्रेसिव फैमिली फिल्मों में से एक मानता हूं। इसका संदेश है कि माता पिता को बच्चों की प्राथमिकताओं का सम्मान करना चाहिए। मेरी 'हम आपके हैं कौन' में नजरिया था कि परिवार के साथ रहना कितना खूबसूरत होता है। सबका एक साथ होना मेरी ड्रीम वर्ल्ड का हिस्सा था। 'हम साथ-साथ हैं' में भी संदेश था कि बच्चों को सही संस्कार दें तो परिवार में बहुत कुछ अच्छा हो सकता है। इस फिल्म में हम कहना चाहते हैं कि मायका और ससुराल दो अलग-अलग घर नहीं, बल्कि एक परिवार जैसे होने चाहिए।



आयुष्मान और शरवरी को कास्ट करने की क्या वजह रही

इस कहानी का विषय प्रोग्रेसिव है और आज की पीढ़ी से जुड़ा हुआ है। इसलिए सबसे पहले मेरे दिमाग में आयुष्मान का नाम आया। उनकी फिल्मोग्राफी में ऐसे कई किरदार हैं, जो समाज की स्थापित धारणाओं को सहजता से चुनौती देते हैं। मुझे लगा कि वह इस कहानी को बिना किसी अतिरिक्त आक्रामकता के स्वाभाविक और रिलेटेबल बना पाएंगे। वहीं शरवरी मेरे लिए सरप्राइज पैकेज हैं। मैंने उनकी एक फिल्म में बॉक्सिंग का शॉट देखा था, जिसमें उनका समर्पण प्रभावित करने वाला था। मुझे ऐसी लड़की चाहिए थी, जो अपने विचारों पर मजबूती से खड़ी हो सके। मुझे संदेह था कि इतनी कम उम्र में वह मैच्योर किरदार निभा पाएंगी या नहीं, लेकिन उन्होंने हर कदम पर सरप्राइज किया। उन्होंने किरदार और फिल्म की इंडियननेस को पूरी तरह अपनाया है।



शरद कपूर की मदद की अपील पर बोलीं त्रिधा चौधरी

अभिनेता शरद कपूर इन दिनों अपनी जिंदगी के मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। करीब 2-3 साल से बिस्तर पर रहने के बाद अब वह दोबारा काम शुरू करना चाहते हैं। इसके लिए उन्होंने सोशल मीडिया पर एक भावुक वीडियो पोस्ट कर फिल्म इंडस्ट्री के सीनियर कलाकारों और लोगों से मदद मांगी। शरद कपूर के इस वीडियो पर अभिनेत्री त्रिधा चौधरी ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने शरद के हिम्मत दिखाकर मदद मांगने की तारीफ की और बताया कि मुश्किल वक्त में अपनी परेशानी सामने रखने से दूसरे लोग भी प्रेरित हो सकते हैं। त्रिधा चौधरी ने यह बात टीसीईएल 2027 के दौरान खास बातचीत में कही। उन्होंने कहा कि आर्थिक परेशानी के दौर में मदद मांगना कोई गलत बात नहीं है। उन्होंने कहा, ''आप जानते हैं कि हम कलाकार हैं और लोग हमें पर्दे पर देखते हैं। दर्शक हमारी काफी सराहना भी करते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि अगर वह किसी को प्रेरित करना चाहते हैं और आर्थिक परेशानी से गुजरने के बावजूद मदद मांगने से नहीं डरते, तो दूसरे लोगों को भी ऐसा ही करना चाहिए। मुझे लगता है कि इस मामले में वह एक अच्छी मिसाल पेश कर रहे हैं।''

दरअसल, अभिनेता शरद कपूर हाल ही में अपने एक भावुक वीडियो की वजह से चर्चा में आए थे। सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस वीडियो में उन्होंने बॉलीवुड इंडस्ट्री से काम देने की अपील की थी। उन्होंने बताया कि वह पिछले दो से तीन साल से बिस्तर पर हैं। उन्होंने इंडस्ट्री के अपने वरिष्ठ साथियों से मदद मांगी थी ताकि वह एक बार फिर अपने करियर को पटरी पर ला सकें। त्रिधा से पहले अभिनेत्री नेहा धूपिया ने भी शरद कपूर की स्थिति पर प्रतिक्रिया दी थी। आईएएनएस से बातचीत में उन्होंने कहा, ''जब आप इस तरह के वीडियो देखते हैं तो सच में आपका दिल उनके लिए दुखी होता है और आपको अंदर तक भावुक कर देता है। मनोरंजन जगत एक ऐसा पेशा है, जो कलाकारों की जिंदगी का अहम हिस्सा बन जाता है। एक बार इस दुनिया का हिस्सा बनने के बाद इससे अलग होना आसान नहीं होता।'' उन्होंने कहा, ''मैं उम्मीद करती हूं कि हर कोई हमेशा अच्छा करे और किसी को मुश्किलों का सामना न करना पड़े। लांकि, मैं नहीं जानती कि मेरी यह उम्मीद कितनी पूरी हो सकती है।''



हेली दारूवाला ने भुवन बाम के साथ काम करने के अनुभव को शेयर किया

अभिनेत्री हेली दारूवाला इन दिनों भुवन बाम की कॉमेडी वेब सीरीज 'ढिंढोरा सीजन 2' में रम्या के किरदार में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री हेली दारूवाला ने भुवन बाम के साथ काम करने के अनुभव को शेयर किया। अभिनेत्री का कहना है कि उनके लिए ऐसे शो का हिस्सा बनना एक शानदार मौका था, जिसने पहले से ही दर्शकों के दिलों में खास जगह बना रखी है। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि वह काफी समय से भुवन बाम के काम को फॉलो करती आ रही हैं। हेली दारूवाला ने भुवन बाम की क्रिएटिविटी और कॉमिक टाइमिंग की तारीफ करते हुए कहा, 'भुवन के साथ काम करना और 'ढिंढोरा 2' जैसे कल्ट-क्लासिक शो का हिस्सा बनना बेहद खुशी की बात थी। रम्या का स्पेशल अपीयरेंस शूट करना बहुत मजेदार था। भुवन बहुत ही आसानी से लोगों को हंसा देते हैं और हम सेट पर इतना हंसे कि हमारे पेट में दर्द हो गया।'

उन्होंने बताया कि भले ही टीम के साथ उनका यह पहला प्रोजेक्ट था, लेकिन उन्हें कभी ऐसा महसूस नहीं हुआ कि वह पहली बार काम कर रही हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने लंबे समय से भुवन के काम को फॉलो किया है और हमेशा से उनके काम की फैन रही हूं, लेकिन उन्हें पर्सनली जानने के बाद मेरी तारीफ और बढ़ गई। वह न सिर्फ बेहद टैलेंटेड हैं, बल्कि एक बेहतरीन इंसान भी हैं।' यह सीरीज 20 नवंबर, 2026 को रिलीज हो चुकी है और अभिनेत्री ने दर्शकों की तरफ से मिल रहे रिस्पॉन्स पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, 'अब जब शो आ चुका है, तो इंडस्ट्री के दोस्तों से अपने सीन की तारीफ वाले कॉल मिलना दिल को छू लेने वाला है, वहीं फैंस मुझे मेरे अपीयरेंस के स्क्रीनशॉट भेज रहे हैं। इस तरह का प्यार और तारीफ इस अनुभव को और भी खास बना देती है। मैं इस शानदार शो का हिस्सा बनकर सच में बहुत खुश हूं।' 8-एपिसोड वाली सीरीज में भुवन बाम (9 अलग-अलग किरदारों में) और कविता मामी के रूप में संजीदा शेख मुख्य भूमिकाओं में हैं।





अंकिता एक 'फैमिली गर्ल' हैं, जो बड़े परिवार को अकेले संभाल सकती हैं

अभिनेत्री अंकिता लोखंडे हाल ही में पति विक्की जैन के साथ नेहा धूपिया और उनके पति-अभिनेता अंगद बेदी के पॉडकास्ट 'डबल डेटिंग' में नजर आए थे। इस दौरान विक्की जैन ने पत्नी अंकिता लोखंडे से मुलाकात को जिंदगी का जैकपॉट बताया है। विक्की जैन ने बताया कि अंकिता के अंदर सबसे बड़ी खूबी यह है कि वह एक 'फैमिली गर्ल' हैं, जो बड़े परिवार को अकेले संभाल सकती हैं और उनकी इसी खूबी ने उन्हें अपनी ओर आकर्षित किया। उन्होंने आगे कहा कि अंकिता के साथ रहने से उन्हें अपनी जिंदगी के 'दूसरे चैप्टर' में आने का मौका मिला। विक्की ने कहा कि उनका पहला चैप्टर ज्यादातर काम के इर्द-गिर्द ही घूमता था, लेकिन अंकिता के साथ रिश्ते ने उन्हें जिंदगी का एक और पहलू दिखाया। उन्होंने कहा, 'मुझे अंकिता के साथ अपनी जिंदगी का दूसरा चैप्टर जीने का मौका मिला। पहला चैप्टर ये था कि मैं एक बिजनेसमैन था। मैं बिलासपुर जैसे शहर में रहता था और सिर्फ काम पर फोकस करता था। जब मैं पहली बार अंकिता से मिला था, तब वे करीब 34-35 साल की थीं।' उन्होंने कहा कि वह दोनों हमेशा से एक ही सोशल सर्कल का हिस्सा थे और रिश्ता बनने से पहले एक-दूसरे को दोस्त के तौर पर जानते थे। उन्होंने यह भी बताया कि बिलासपुर उनकी 'कर्मभूमि' थी, जबकि मुंबई वह जगह थी, जहां वे दोस्तों से मिलने और अपनी सोशल लाइफ एंजॉय करने आते थे। उन्होंने कहा, 'बिलासपुर में मेरा काम चलता है और मुंबई में मैं दोस्तों के साथ मजे करने आता था, क्योंकि टेलीविजन इंडस्ट्री में मेरे बहुत सारे दोस्त हैं, तो अंकिता और मैं हमेशा दोस्त थे।' बता दें, विक्की और अंकिता ने अपने रिश्ते को एक कदम आगे बढ़ाते हुए दिसंबर 2021 में शादी कर ली थी। शादी के बाद दोनों कई रियलिटी शो (जैसे बिग बॉस-16 और लाफ्टर शेफ्स) में साथ नजर आए और सोशल मीडिया पर अक्सर अपनी केमिस्ट्री को लेकर चर्चा में रहते हैं।



ट्रोलिंग पर बोले बाबिल, मैं जैसा हूं, वैसा ही रहूंगा

दिवंगत एक्टर इरफान खान के बेटे और एक्टर बाबिल खान अक्सर अपने भावुक स्वभाव को लेकर ट्रोल होते हैं। कुछ लोग उनके जज्बातों को दिखावा भी बताते हैं। अब एक मीडिया से बातचीत में बाबिल ने ट्रोलिंग पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री में 6 साल बिताने के बाद अब उन्होंने निगेटिविटी से दूरी बनाकर आगे बढ़ना सीख लिया है। बाबिल ने कहा, 'मैं जैसा हूं, वैसा ही रहूंगा। खुद को वैसा ही बनाए रखने के लिए मुझे बहुत कुछ झेलना पड़ा है।' बता दें कि साल 2024 में एक इवेंट के दौरान गलती से एक महिला की तस्वीर के बीच आने पर बाबिल का माफी मांगने वाला वीडियो वायरल हुआ था। इसके बाद उन्हें दिखावटी कहकर ट्रोल किया गया। वहीं, मई 2025 में बॉलीवुड पर बात करते हुए भावुक होने का उनका वीडियो भी चर्चा में रहा था। बाबिल ने कैमरा असिस्टेंट के तौर पर करियर शुरू किया था और 2022 में फिल्म 'कला' से अभिनय की दुनिया में कदम रखा था।



कोयला माफिया की कहानी में नजर आएंगे सिद्धांत चतुर्वेदी

सिद्धांत चतुर्वेदी जल्द ही सीरीज 'काला' में अभिनय करते नजर आएंगे। सूत्रों के मुताबिक सीरीज की शूटिंग का काम जारी है। यह किरदार एक्टर के बाकी किरदारों से काफी अलग होगा। फिल्म की शूटिंग पुणे में हो रही है।

क्या है 'काला' कहानी

सिद्धांत चतुर्वेदी आगामी दिनों में एक एक्शन ड्रामा सीरीज में दिखाई देंगे। मिली जानकारी के मुताबिक वह जल्द भी सीरीज 'काला' से फैंस का मनोरंजन करेंगे। इस सीरीज की कहानी झारखंड के कोयला माफिया पर आधारित है। इसकी शुरुआत 1960 के दशक से होगी। कहानी में कई दशकों के दौरान कोयले के कारोबार में आए बदलाव, अपराध और उससे जुड़ी राजनीति को दिखाया जाएगा। इस सीरीज में वह अहम भूमिका निभाई रहे हैं। सीरीज का निर्देशन अभिषेक चौबे कर रहे हैं। वहीं इसका निर्माण एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले हो रहा है।

विकास बहल के साथ दूसरी फिल्म

सिद्धांत ने हाल ही में विकास बहल की फिल्म 'बोलो बोलो बोलो' का ब्रिटेन में शूटिंग खत्म की है। विकास के साथ यह उनकी दूसरी फिल्म है। इससे पहले दोनों 'दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग' में साथ काम कर चुके हैं। इस फिल्म में सिद्धांत के साथ वामिका गब्बी और जया बच्चन नजर आएंगी। 'बोलो बोलो बोलो' की कहानी 1990 के दशक के ब्रिटेन की है। फिल्म में उस दौर में पंजाबी संगीत के बढ़ते चलन को दिखाया जाएगा। सिद्धांत इसमें ढोल बजाने वाले कलाकार की भूमिका निभा रहे हैं। वहीं, अलिजेह अग्निहोत्री गायिका के किरदार में हैं। जिम्मी शेरगिल और मोना सिंह भी फिल्म में नजर आएंगे। फिल्म को 2027 में रिलीज करने की तैयारी है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।